

अमिताभ बच्चन के बंगले को उड़ाने की दी धमकी

दिलजीत का कॉन्सर्ट भी निशाना



● मुंबई /



खालिस्तान नेशनल आर्मी ने भेजा धमकी भरा ईमेल

दिग्गज सेलेब्स के घर की रेकी के बाद यह खबर दिल दहला देने वाली है। मुंबई पुलिस ने पुष्टि की है कि ईमेल मिलने के बाद उन्होंने गहन जांच की, लेकिन कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली। मेयर के कार्यालय को यह ईमेल शुक्रवार सुबह 11:30 बजे मिला था। मुंबई पुलिस के जोन-1 के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) मनीष कलवानिया ने बताया, बीएमसी कार्यालय को एक धमकी भरा ईमेल मिला था। (शेष पेज 8 पर)

27 नवंबर को दिलजीत का कॉन्सर्ट

पुलिस ने बताया, सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ का इंडिया टूर कॉन्सर्ट भी 27 नवंबर को महालक्ष्मी रसकोर्स में होना है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए दिल्ली पुलिस पहले ही वहां उनके कॉन्सर्ट की अनुमति देने से इनकार कर चुकी है। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने आयोजकों से मुलाकात के बाद दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को इजाजत दे दी है। इससे पहले सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए 30 अक्टूबर को पुलिस ने कॉन्सर्ट की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

केंद्र का कबूलनामा, कैंसर की दवाओं पर मरीजों से हो रही है मनमानी वसूली

सरकार ने कोर्ट में कहा, ट्रेड मार्जिन पर कैप से कीमत कम होगी

● नई दिल्ली /

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज कराना पहले ही महंगा है। मरीजों को दवाओं के लिए भी कई गुना ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते हैं। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में माना है कि अस्पताल मरीजों से दवाओं और इलाज में इस्तेमाल होने वाली दूसरी चीजों के लिए बहुत ज्यादा कीमत वसूलते हैं। सरकार ने इसे गलत बताया है। साथ ही, इस पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने की बात कही है। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि मरीजों और अस्पतालों के बीच मोलभाव की स्थिति बराबर नहीं होती। इलाज की जरूरत के चलते मरीज कई बार अस्पताल की ओर से बताई गई कीमत चुकाने को मजबूर होते हैं। सरकार ने गैर-अनुसूचित कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम मूल्य (एमआरपी) के 30 प्रतिशत तक सीमित करने का प्रस्ताव दिया है। सरकार का अनुमान है कि इससे दवाओं की कीमतों 20 से 70 प्रतिशत तक घट सकती हैं। इससे मरीजों



को हर साल करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली मेडिकल उपभोग की वस्तुओं की कीमत 1 रुपये से लेकर 350 रुपये या उससे अधिक तक होती है। इन सभी पर एक समान मुनाफे की सीमा तय करना आसान नहीं है। कम कीमत वाली वस्तुओं की बिक्री में भी खर्च होता है। ऐसे में एक समान सीमा तय करने से इस खर्च को पूरा करना मुश्किल हो सकता है।

नियम बनाने के लिए चर्चा जारी

केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि इस समस्या से निपटने के लिए वह सभी संबंधित पक्षों से बातचीत कर रही है। सरकार उचित नियम बनाने की तैयारी में भी है। गैर-अनुसूचित कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन सीमित करने का प्रस्ताव इसी दिशा में एक कदम है। हालांकि, अभी यह प्रस्ताव है। इसे लागू करने के बाद ही पता चलेगा कि दवाओं की कीमतों में कितनी कमी आती है और मरीजों को कितनी राहत मिलती है।

फिल्म 'रामायण' की एडवांस बुकिंग आठ करोड़ के पार

नई दिल्ली, आरएनएन। निवेश तिथि की निदेशन में बन रही फिल्म रामायण: राज्ञ ऑफ अ लेजेंड रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर चर्चा बटोर रही है। रणवीर कपूर, साई पल्लवी, यश और सनी देओल जैसे सितारों से सजी इस माथोलॉजिकल फिल्म की एडवांस बुकिंग में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। ट्रेड ट्रैकर सीक्विन्क के मुताबिक 23 अक्टूबर तक फिल्म ने ब्लॉक सीटों को शामिल करते हुए 8.27 करोड़ रुपये का ग्रांस कलेक्शन कर लिया था, जबकि ब्लॉक सीटों को हटाने के बाद यह आंकड़ा 6.25 करोड़ रुपये रहा। फिल्म के लिए अब तक 3,964 शो में 1.47 लाख से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। फिल्म का ग्रांस कलेक्शन 52 फीसदी बढ़कर 8.27 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि ब्लॉक सीटों को हटाने के बाद में 73 फीसदी का उछाल आया।

नया खतरा

चीन से संचालित हो रहे हैं रैनसमवेयर संगठन, एआई की मदद से कर रहे हैं दुनियाभर में हमले

साइबर खतरे के मामले में भारत दुनिया में सातवें नंबर पर

● नई दिल्ली /

माइक्रोसॉफ्ट में एआई और साइबर सुरक्षा नीति के निदेशक निकोलस बट्स ने शुक्रवार को विशेष रूप से भारत के लिए हाल के तीन खतरों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि साइबर सुरक्षा के मामले में भारत दुनिया का सातवां और एशिया का तीसरा सबसे ज्यादा निशाना बनने वाला देश है।

दिल्ली में वर्ल्ड समिट 2026 में बोलते हुए, बट्स ने कहा, हमें हर दिन लगभग 165 ट्रिलियन टेलीमेट्री सिग्नल मिलते हैं, जिन्हें हम प्रोसेस करते हैं। हम हर दिन लगभग 5 अरब ईमेल की जांच करते हैं। हम हर दिन लगभग 50 लाख (5 मिलियन) नई मैलवेयर फाइलों को ब्लॉक करते हैं। इस तरह के मामलों को देखने का हमारा नजरिया काफी अलग और



खास है। बट्स ने टपकती छत का उदाहरण देते हुए कहा, हम जो देख रहे हैं, वह 10 साल बाद आने वाली किसी संभावित तबाही के बारे में नहीं है, बल्कि आज मौजूद रियल सुरक्षा खतरों के बारे में है। उन्होंने जोर देकर कहा, भारत के लिए यह खतरा बिल्कुल रियल है। चीन, उत्तर

कोरिया या पाकिस्तान जैसे स्टेट एक्टर्स (सरकारी या राज्य-समर्थित तत्वों) के बारे में पूछे जाने पर, बट्स ने हाल के कुछ खतरों का जिक्र किया। उन्होंने बताया, हमने स्टॉर्म 3168 (जिसे कभी-कभी जेडफर भी कहा जाता है) नाम के एक खतरे का पता लगाया है। यह चीन से संचालित होने वाला एक रैनसमवेयर संगठन है, जो दुनिया भर में ग्राहकों के खिलाफ रैनसमवेयर हमले करने के लिए मुख्य रूप से एआई एजेंटों का इस्तेमाल करता है। दूसरे उदाहरण के तौर पर, उन्होंने रूस और चीन द्वारा समर्थित ऐसे समूहों का जिक्र किया, जो अपनी जासूसी मुहिम के लिए एजेंटों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने बताया, 22 अक्टूबर को माइक्रोसॉफ्ट ने एक नए स्टेट एक्टर (सरकारी समर्थन वाले समूह) के बारे में एक नई थ्रेट इंटेलिजेंस रिपोर्ट जारी की है। हम इसे स्टॉर्म 0940 के नाम से ट्रैक करते हैं। यह चीन समर्थित एक ऐसा समूह है, जो मुख्य रूप से डेटा चोरी और जासूसी करने के मकसद से काम करता है।

एआई की मदद से साइबर अपराधी हुए अधिक सक्षम

तीसरे खतरे के बारे में निकोलस बट्स ने कहा कि एआई की मदद से साइबर अपराधी कहीं अधिक सक्षम हो गए हैं। फरवरी में, ईविलटोक्स नाम का एक नया समूह सामने आया, जिसे हमने ट्रैक करना शुरू किया। असल में, इसमें दो लोग शामिल थे, जो ओपन-सोर्स और वलोज़-सोर्स मॉडल का इस्तेमाल करके कोड तैयार कर लेते थे। यह पूरी तरह से एक स्वतंत्र आपराधिक इफ़ास्ट्रक्चर था, जो 1,500 डॉलर में इसका एक्सेस बेचता था। पहली बार खरीदने वालों के लिए 500 डॉलर प्रति महीने का सब्सक्रिप्शन था। इसके जरिए आपको कई ऐसे टूल मिल जाते थे, जिनका इस्तेमाल आप बड़े साइबर हमलों के लिए कर सकते थे। इसमें 120 देशों के 10,000 से ज्यादा संगठनों को प्रभावित किया।

आरटीआई में खुलासा

दो चुनाव आयुक्तों की शिकायतों की अनदेखी

● नई दिल्ली / आरएनएन

सूचना के अधिकार के जवाब में सामने आए दस्तावेजों से पता चलता है कि कैबिनेट सचिवालय ने चुनाव आयोग के एक अधिकारी के आचरण के खिलाफ दो चुनाव आयुक्तों द्वारा भेजी गई शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की। सचिवालय ने कहा कि ये शिकायतें उनकी व्यक्तिगत हैसियत से भेजी गई थीं, और चूंकि पूरे चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली थी, इसलिए इस स्तर पर कोई भी कार्रवाई करना अनुचित हो सकता है। आरटीआई एंक्टिविस्ट कमोडोर लोकेश के. बत्रा (रिटायर्ड) को मिले पत्रों से पता चलता है कि चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 29 जुलाई को देश के टॉप ब्यूरोक्रेट टीवी सोमनाथन को दो अलग-अलग पत्र भेजे थे। ये पत्र सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गर्ग के कामकाज के बारे में थे।

कैबिनेट सचिवालय ने शिकायतें चुनाव आयोग की ओर से आधिकारिक नहीं मानीं

एलएसी पर भारत और चीन में हो रही है झड़प

आईटीबीपी डीजी शत्रुजीत कपूर का बड़ा खुलासा, बोले- तनाव बरकरार



● नई दिल्ली /

भारत और चीन के बीच एलएसी पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसको लेकर आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि भारत-चीन के बीच अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर पर कई बार फेसऑफ हुआ है और यह अभी भी चल रहा है। इससे पहले भारत और चीन के बीच डोकलाम में भी झड़प हुई थी। आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर ने एक कार्यक्रम में कहा, अरुणाचल प्रदेश के अंदर कई बार ऐसी परिस्थितियां बनीं, जब फेसऑफ हुआ, जो अभी भी चल रहा है। वहां पर हमारी शौर्य कमांडो टीम्स हैं, उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। यह भी एक नई पहल थी। जैसा कि हम जानते हैं कि आईटीबीपी की शुरुआत एक माउंटन गुरिल्ला फोर्स के रूप में हुई थी। उसके बाद हम परंपरागत फोर्स के रूप में चीन बॉर्डर को संभाला है। (शेष पेज 8 पर)

एलएसी पर स्थिति बिगड़ने की वजह चीनी सेना

भारत तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत सिंह कपूर के बयान पर विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी है। विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि जब चीनी सेनाएं पहले से तय गत के तौर-तरीकों से हटती हैं, तो भारत-चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिति समय-समय पर बिगड़ जाती है। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता बनाए रखना दोनों देशों के आपसी संबंधों के समग्र विकास के लिए जरूरी है। हालांकि उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर ज्यादा जानकारी रक्षा मंत्रालय ही दे पाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह टिप्पणी तब की, जब उनसे भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के उस बयान के बारे में पूछा गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश में सीमा के कई इलाकों में चीनी सैनिकों के साथ टकराव की स्थिति बनी रहती है। विदेश मंत्रालय ने इस मामले में शुक्रवार को कहा कि इस मुद्दे से जुड़े जहां तक स्पेसिफिक हैं वो आप रक्षा मंत्रालय से पूछें।

आईटीबीपी चीफ के बयान पर विदेश मंत्रालय की सफाई

टाइगर श्राॅफ फायरिंग केस

28 तक पुलिस कस्टडी में भेजे गए तीनों आरोपी फायरिंग में और कौन-कौन लोग शामिल, पूछताछ में होगा खुलासा

● मुंबई / आरएनएन

मुंबई में अभिनेता टाइगर श्राॅफ से जुड़े फायरिंग मामले में हरियाणा के सोनीपत से



गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों को अदालत ने 28 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। तीनों आरोपियों को आज एस्पेनेड कोर्ट में पेश किया गया था। पुलिस ने अदालत में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए आगे की पूछताछ के लिए कस्टडी की मांग की। सरकारी पक्ष ने मामले में कथित आपराधिक साजिश और दूसरे आरोपियों के साथ कनेक्शन का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जरूरत बताई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने तीनों आरोपियों को 28 अक्टूबर तक पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया। पुलिस के मुताबिक, निरपेक्ष आरोपियों की पहचान अंकित, समीर और जितन पांचाल के रूप में हुई है। जांच अधिकारी ने अदालत को बताया कि अंकित कथित तौर पर रेकी करने के लिए मुंबई आया था।

1 करोड़ से अधिक बोली पाने वाला जियो दुनिया का पहला आईपीओ जियो ने वारी एनर्जी के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ा

● मुंबई /

मुकेश अंबानी के जियो आईपीओ ने विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। यह दुनिया का पहला ऐसा आईपीओ बन गया है जिसे एक करोड़ से अधिक बोलियां मिल चुकी हैं। इसकी संख्या और भी बढ़ सकती है।

1 करोड़ एप्लीकेशन पाकर जियो ने वारी एनर्जी के नाम दर्ज 97 लाख बोलियों के वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जियो आईपीओ और वारी एनर्जी के बाद जिन भारतीय आईपीओ को सबसे ज्यादा बोलियां मिली हैं, उनमें बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड और भारत कोकिंग कोल लिमिटेड शामिल हैं। इन्हें 90-90 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे। 23 अक्टूबर को दोपहर 3 बजकर 15 मिनट तक, जियो प्लेटफॉर्म के आईपीओ में पेश किए गए 19.75 करोड़ शेयरों के लिए 12.25 गुना बोलियां मिल चुकी हैं।



1377 रुपए हो सकती है जियो शेयरों की लिस्टिंग

लिस्ट होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 23 प्रतिशत यानी 258 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ग्रे मार्केट प्रीमियम यानी जीएमपी के हिसाब से देखें तो अपर प्राइस बैंड 1,119 के लिहाज से इसकी लिस्टिंग 1377 पर हो सकती है। जियो इस आईपीओ के जरिए कुल 30,213 करोड़ जुटा रही है। हालांकि, इश्यू खुलने से ठीक पहले कंपनी ने एंकर इन्वेस्टर्स को शेयर जारी करके 8,110 करोड़ का फंड जुटा लिया था। एंकर कोटा हटने के बाद प्राइमरी मार्केट में आम जनता और संस्थागत खरीदारों के लिए करीब 22,103 करोड़ का नेट इश्यू ही रखा गया है।

घरेलू गैस की कमी से सीएनजी के दाम बढ़े

नई दिल्ली, आरएनएन। शहरी गैस वितरण कंपनी अडानी टोटल गैस लिमिटेड ने वाहनों में इस्तेमाल होने वाली संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की कीमतों में 4.45 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की है।

अडानी टोटल गैस ने 4.45 रुपये प्रति किलो तक बढ़ाए

कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतों में तेजी, घरेलू गैस की उपलब्धता में कमी और आपूर्ति में कटौती को इस फैसले की प्रमुख वजह बताया है। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद में सीएनजी की कीमत बढ़कर 98.47 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। वहीं, हरियाणा के फरीदाबाद में इसका भाव 102.60 रुपये और पंजाब के जालंधर में 100 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गया है।

टाइफून चांपी से ताइवान में एक की मौत, 94 घायल

ताइपे, एजेंसी। शक्तिशाली टाइफून चांपी ने ताइवान, जापान और चीन में जनजीवन प्रभावित किया है। टाइफून के कारण ताइवान में एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि 94 लोग घायल हुए हैं। पहाड़ी इलाकों में रहने वाले करीब 1,300 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। टाइफून के केंद्र के पास दक्षिणी रस्तावर 19 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई, जिससे प्रशासन को बड़े पैमाने पर एहतियाती कदम उठाने पड़े। ताइवान में खराब मौसम के कारण सैकड़ों उड़ने रद्द कर दी गई। वित्तीय बाजार बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी सीमित कर दी गईं। उत्तर-पूर्वी थिलान बांडी में प्रशासन ने रेत से भरी बोरियां कांटने के साथ बचाव कार्यों के लिए विषय वाहन और इन्फ्लेटेबल नावें तैयार रखीं। अधिकारियों ने जरूरत पड़ने पर सेना की मदद लेने की तैयारी भी की है। टाइफून का असर जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर भी देखने को मिल रहा है। ओकिनावा क्षेत्र में करीब 3,630 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण मरम्मत कार्य प्रभावित हुआ है। जापान में 160 से अधिक उड़ानें रद्द की गई हैं। अधिकारियों ने लोगों को ऊंची समुद्री लहरों, भूस्खलन, बाढ़ और नदियों का जलस्तर बढ़ने के खतरे को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। उधर, चीन के मौसम विभाग ने टाइफून के प्रभाव को देखते हुए नीला अलर्ट जारी किया है। पूर्वी तटीय क्षेत्रों में 50 से 80 मिलीमीटर तक बारिश होने का अनुमान जताया गया है। झेजियांग प्रांत ने ऊंची समुद्री लहरों के खतरे के मद्देनजर नारंगी अलर्ट जारी किया है। टाइफून चांपी को लेकर चीन देशों में प्रशासन अलर्ट पर है। राहत और बचाव एजेंसियां संभावित नुकसान को कम करने के लिए तैयार हैं। अधिकारियों ने लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू के काफिले पर हमला, जनता में आक्रोश

यरुशलम, एजेंसी। इंजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन ने नेतन्याहू के काफिले पर हाल ही में यरुशलम में हमला हुआ। यह घटना बंद घटी जब वे अपने 77वें जन्मदिन का जश्न मनाने जा रहे थे। भीड़ के अंदर से उनके काफिले पर एक कार की बोटल फेंक दी गई, हालांकि इस हमले में नेतन्याहू और उनका परिवार बाल-बाल बच गए। रिपोटर्स के अनुसार, यह हमला गुरुवार रात यरुशलम के मशबे येहुदा बाजार के पास हुआ। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हमलावार की तलाश शुरू कर दी। कोफिले के निवांघ गुजरने के लिए लाइंट रेल सेवा को अस्थायी रूप से रोकता गया था, और हजारों लोग सड़क किनारे उठने स्वागत में खड़े थे, तभी भीड़ के बीच से यह हमला किया गया। सामने आए वीडियो में हमलावार द्वारा बोटल फेंकने की कांशिश करते देखी जा सकती है। हमले के बावजूद, नेतन्याहू अपनी पत्नी सारा के साथ मशबे येहुदा पहुंचे, जहाँ लिक्वुड पार्टी के समर्थकों ने उनका स्वागत किया और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जिन नेतन्याहू को सार्वजनिक विरोध का सामना करना पड़ रहा है। यरुशलम की इस घटना से ठीक पहले, उन्हें तेल अवीव के हा-तिक्वा बाजार में भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में एक व्यक्ति को नेतन्याहू से सीधे यह पूछते हुए देखा गया, आपने हमस को लाखों डॉलर क्यों भेजे? इस दौरान उन व्यक्ति का फोन छीन लिया गया और उसे धक्का देकर बाहर कर दिया गया। नेतन्याहू के खिलाफ जनता में बढ़ते आक्रोश का मुख्य कारण हमस द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के परिवार का अस्तित्व है। बंधकों के कई परिजनों ने आरोप लगाया है कि 7 अक्टूबर के नरसंहार के लिए वर्तमान सरकार और प्रधानमंत्री जिम्मेदार हैं। बंधकों के परिजनों, जिन्होंने मार्ग और बंधक गया ज़ुलुफ के पिता और पूर्व बंधक मतेन जंगीकर की मों शामिल हैं, ने विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि लिक्वुड समर्थकों ने उनके साथ मारपीट की, उन पर थुका और सज्जियां फेंकी।

सऊदी पर हूती हमला: भारतीय तीर्थयात्रियों को निकालने में जुटा विदेश मंत्रालय

दम्दाम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में सुरक्षा संकट उस समय और गहरा गया जब यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर अपने हमले तेज करते हुए राजधानी रियाद में स्थित रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय को निशाना बनाया। हवा से आह मिसाइलों ने रक्षा मंत्रालय परिसर को दहला दिया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। इससे पहले उसी दिन हूती विद्रोहियों ने सऊदी की प्रमुख तेल कंपनी अरामको के टिकनों और दम्दाम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी झेन और मिसाइल से भीषण हमले किए थे। दम्दाम में हुए इन हमलों में दो विदेशी नागरिकों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें नेपाली और फिलिपिनो नागरिक शामिल हैं, जबकि एक भारतीय और एक पाकिस्तानी नागरिक घायल हुए हैं। सऊदी अरब में सुरक्षा स्थिति अचानक बिगड़ने के बाद वहां मौजूद भारतीय उमराह श्रद्धालुओं को सुरक्षा को लेकर भारत सरकार पूरी तरह मुस्तेद हो गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने वहां फसे भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। रियाद में स्थित भारतीय दूतावास और जेद्दा में स्थित वाणिज्य दूतावास लगातार विभिन्न



एयरलाइंस और टूर ऑपरेटर्स के संपर्क में हैं ताकि प्रभाविता श्रद्धालुओं की शोध और सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, पिछले एक सप्ताह के भीतर लगभग तीन हजार फसे हुए उमराह श्रद्धालु उलब्ध उड़ानों के माध्यम से भारत लौट चुके हैं। इसके अलावा, सामान्य टिकट बुकिंग वाले दस हजार से अधिक अन्य भारतीय श्रद्धालु भी सुरक्षित स्वदेश वापस आ गए हैं। दरअसल, दम्पति हवाई अड्डे पर हमले के बाद कई उड़ानों का परिचालन प्रभावित हुआ था, जिससे अटक मक्का और मदीना के कई भारतीय श्रद्धालु संकट का शेर

इस स्थिति को देखते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन औवैसी ने भी सोशल मीडिया के जरिए सरकार से तुरंत हस्तक्षेप किये का अनुरोध किया था। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए रियाद और जेद्दा में भारतीय मिशनों द्वारा चीबीसों घंटे काम करने वाले विशेष कट्रोलेरूम स्थापित किए गए हैं। भारतीय दूतावास और स्थानीय स्वयंसेवक मिलकर तीर्थयात्रियों को भोजन, आवास और चिकित्सा सैफ्टी सहायता प्रदान कर रहे हैं। आपातकालीन जंपसूट के लिए विदेश मंत्रालय ने हेलपलाइन नंबर और व्हाट्सएप सेवाएं भी शुरू की हैं।

ट्रंप बोले- अटलांटिक महासागर का नाम बदलकर ट्रंप महासागर रखें

-गूगल ने कर दिया इनकार



वाशिंगटन, एंजेसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपनी इसीबागीरबी मांगों को लेकर सुर्खियों में हैं। अब वो उन्होंने गूल के सीईओ सुंदर पिचाई को फोन करने अटलांटिक महासागर का नाम बदलकर ट्रंप महासागर करने को कहा। हालांकि, गूल ने उनकी यह मांग मानने से साफ इनकार कर दिया है। यह जानकारी खुद डोनाल्ड ट्रंप ने साउथ कैरोलिना में एक संसदीय चुनाव प्रचार रैली के दौरान दी। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने सुंदर पिचाई को अटलांटिक महासागर का नाम ट्रंप ओसियन करने का सुझाव दिया, लेकिन पिचाई ने यह कहकर इनकार कर दिया कि इस बार वे ऐसा नहीं कर सकते।

गूल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई को समझाया कि अटलांटिक महासागर अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि कई अ तक फैला हुआ है, इसलिए इसका नाम बदल नहीं होगा। ट्रंप ने खुले तौर पर यह भी प्रशंसा महासागर को अमेरिकन ओसियन अटलांटिक महासागर को ट्रंप ओसियन

चाहिए। उनका मानना है कि उनके पिता अक्सर कहते थे कि उन्हें स्थानों की अच्छी समझ है। दूध के नाम बदलने की यह कोई पहली सनक नहीं है। इससे पहले वे मेक्सिको की खाड़ी को अमेरिकन खाड़ी और कनाडा के साथ साझा ओंटारियो झील को अमेरिकी झील करवा चुके हैं। उनके आदेश के बाद गूगल मैप्स और एप्पल मैप्स पर इन नामों को जोड़ दिया गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार है कि वह सरकारी इस्तेमाल के लिए किसी भी जगह का नाम बदल

सकता है। दूसरे देश या प्राइवेट कंपनी उसे मानने या ना मानने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन ट्रंप के आदेश के मुताबिक गूलर और एप्पल ने मेक्सिको की खाड़ी और ओटोरियो झील के नाम के साथ अमेरिकी खाड़ी और अमेरिकी झील जोड़ दिया था। जनवरी 2025 में ट्रंप ने अलास्का की सबसे ऊंची पर्वत डेनाली का नाम बदलकर माउंट मैकिनले कर दिया था। इसी साल सितंबर में उन्होंने अमेरिकी राज्य न्यू मेक्सिको का नाम बदलकर न्यू अमेरिका करने का सुझाव दिया, हालांकि उन्होंने इस पर जोर न डालने की बात कही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति की नाम बदलने की सनक केवल महासागरों तक ही सीमित नहीं है। वे होमुज जलमयूमथ का नाम भी अपने नाम पर ट्रंप स्टैंड रखना चाहते हैं, जो इजरायल और ईरान के संघर्ष के दौरान काफी चर्चा में रहा था। इसके अलावा, ट्रंप की चाहत अमेरिका की मिसिसिपी या हडसन नदी में से किसी एक का नाम बदलने की भी है। डेनालड ट्रंप की नाम बदलने की यह बहती सनक वैश्विक भूगोल और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को किस हद तक प्रभावित करेगी, यह देखना बाकी है।

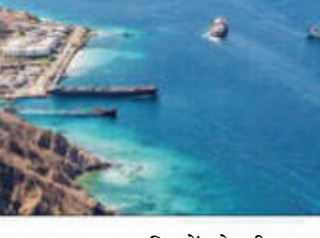
नहीं है। वे होमुंज जलडमरूमध्य का नाम भी और नाम पर टूट स्ट्रेट रखना चाहते हैं, जो इनस्थल और ईरान के संघर्ष के दौरान काफी चर्चा में रहा था। इसके अलावा, टूंप की चाहत अमेरिका की मिसिसिपी या हडसन नदी में से किसी एक का नाम बदलने की भी है। जेनालटू टूंप की नाम बदलने की यह बहती सनक वैश्वक भूगोल और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को किस हद तक प्रभावित करेगी, यह देखना बाकी है।

होर्मुज में 7 तेल टैंकरों पर हमला, ट्रंप ने दिए सैन्य कार्रवाई के संकेत

ईरान-अमेरिका में बढ़ा तनाव



वाशिङ्गटन, एंजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर सीरी है। अमेरिकी स्थिति गहराती दिख रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स डू ट्रॉप ने तत्काल तैयार दिखाते हुए ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के संकेत दिए हैं। उन्होंने सवा कया कि अमेरिका ईरान को बुरी तरह से सबक सिखायेगा है। इस बीच, ईरान का कहना है कि एक ही दिन में रणनीतिक स्टेट ऑफ होर्मुज्ज में सात तेल टैंकें को नुकसान पहुंचाया गया है। ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल के बीच तनाव की शुरुआत के बाद से एक दिन में यह नुकसान की सबसे बड़ी घटना है, जिसने क्षेत्र में युद्ध की आशंका को बढ़ा दिया है। स्टेट ऑफ होर्मुज्ज, जो वैश्विक तेल व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है, में हुए इस सात जहाजों पर हमलों ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक ही रात में सात जहाजों के



निशाना बनाया गया, जिनमें से तीन बारूदी सुरंगों की चपेट में आए और चार पर सीधे ईरान के रिवालयूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने हमला किया। ईरान का स्पष्ट मानना है कि ये हमलाग्रस्त जहाज अमेरिका से जुड़े हैं और इन्हें टंप प्रशासन का सीधा समर्थन प्राप्त है।

आईआरजीसी ने हाल ही में घोषणा की थी कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता से निपटने के लिए उनके पास 'रणनीति' है। ईरान मानके बंधन में युद्ध व स्थिति अमेरिकी सभाविक् आईआरजीसी ने हाल ही में घोषणा की थी कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता से निपटने के लिए उनके पास 'रणनीति' है। ईरान मानके बंधन में युद्ध व स्थिति अमेरिकी सभाविक् आईआरजीसी ने हाल ही में घोषणा की थी कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता से निपटने के लिए उनके पास 'रणनीति' है। ईरान मानके बंधन में युद्ध व स्थिति अमेरिकी सभाविक्

निशाना बनाया गया, जिनमें से तीन बराकूदी सुरंगों की चपेट में आए और चार साक्षी ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने हमला किया। ईरान का स्पष्ट मानना है कि ये हमलाग्रस्त जहाज अमेरिका से जुड़े हैं और इन्हें ट्रंप प्रशासन का सीधा सम्पर्क प्राप्त है।

आईआरजीसी ने हाल ही में घोषणा की थी कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता से निपटने के लिए उनके पास

रणनीति/निर्णय

ईरान का

नौकबं

युद्ध वा

स्थिति

अमेरिक

संभावित

आईआ

कि वे

जहाजों

चांद पर दस हजार से अधिक दरारें, नासा की रिपोर्ट में भूकंप का बड़ा खतरा

वाशिंगटन-एजेन्सी। नासा की ताजा तस्वीरों में चंद्रमा की सतह पर 10 हजार से अधिक इस तरह के फॉन्ट (दरारों) का खुलासा किया है, जहाँ कभी भी भूकंप आ सकता है। यह महत्वपूर्ण खोज लूनर रिक्तानिसेस ऑब्जर्वेटरी महामा (एलआरओसी) से प्राप्त छवियों के गहन विश्लेषण पर आधारित है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि ये दरारें नासा के आर्टेमिस मिशन के लिए सुर्खित लैंडिंग साइट चुनने में नई चुनौतियाँ पैदा करती हैं, जिसका लक्ष्य फिर इसांनों को चंद्र पर उतारना है।

बोते करीब 40 करोड़ वर्षों में चांद की त्रिज्या करीब 45 मीटर कम हो गई है। यह सिमुलेशन चंद्रमा की सतह पर दबाव डालती है, जिससे लोबोटे स्कार्प और मोरे रिज जैसी लंबी और उभरी हुई भूगर्भीय संरचनाएं बनती हैं। एलआरओसी कैमरे ने 8,900 से अधिक लोबोटे स्कार्प और 2,000 से अधिक छोटी मोरे रिज की पहचान की है, जो सिमुलेशन प्रक्रिया से जुड़ी हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि चांद की त्रिज्या हर 10 लाख साल में 6 से 11 सेंटीमीटर तक कम हो सकती है, जो सतह दर्शाता है कि यह भूगर्भीय गतिविधि अभी भी जारी है।

ये फॉल्ट ही चंद्रमा पर मूनक्वैक (चंद्र भूकंप)

का मुख्य कारण है। साल 2019 में वैज्ञानिकों द्वारा मॉडल और उनकी टीम ने फॉल्ट औरक भूकंपीय गतिविधि के बीच संबंध के ठोस सबूत दिए थे, जब अपोलो मिशन के दौरान लगाए गए सीस्मोमीटर ने फॉल्ट के निकट भूकंप रिक्टरों की थी। पृथ्वी का बाहरी सतह के विपरीत, जो करीब 15 बड़ी टेक्टोनिक प्लेटों में बंटी है, चांद की बाहरी सतह एक-चंद्रमा, एकल प्लेट की तरह है। यह अंतरकारण भविष्यवाणी का अधिक जटिल बनाता है, क्योंकि हलचल पुराने फॉल्ट में हो सकती है या नए भी बन सकते हैं। यह खोज आर्टेमिस मिशन के लिए महत्वपूर्ण

निहितार्थ रखती है। वास्तव में 2024 की एके स्टडी में आर्टेमिस मिशन के लिए चुनी गई 13 संभावित लैंडिंग साइट्स में से कुछ के पास ऐसे इलाके पाए गए थे जहाँ भूकंप का खतरा हो सकता है। चंद्र भूकंप से सहानुभूति, पर मिट्टी और चट्टानों का खिसकना संभव है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों और उनके उपकरणों को संभावित नुकसान पहुँच सकता है। हालाँकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि यह हलाकत मिशन को असंभव नहीं बनाती। उन्होंने पाया है कि जिन क्षेत्रों में चांद की सतह बाहरी पपड़ी मोटी है, वहाँ फॉल्ट कम मिलते हैं। और, ऐसे जगहों को भाविष्य के मिशनों के लिए बेहतर विकल्प माना जा सकता है।



चंद्रमा का सिकुड़ना और उसमें परिवर्तन लगातार जारी हैं, इसलिए सुरक्षित चंद्र लैंडिंग और भविष्य की खोज के लिए इन भूगर्भीय गतिविधियों का निरंतर अध्ययन और निगरानी अत्यंत आवश्यक है।

प्रशांत महासागर में हजारों
एलियन वायरस मिले
वैज्ञानिकों को

वाशिंगटन , एंजेंसी। प्रशांत महासागर की अथाह गहराई से एक ऐसी असाधारण खोज सामने आई है, जिसने वैज्ञानिकों को अचम्बित कर दिया है। चीन की चोचर्चायुनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने प्रशांत महासागर के लेकरियन-विलपटन जोन में लगभग 12 हजार तरह के एल्विन वायरसों की पहचान की है। इन्हें एल्विन इन्फ्लिक् कहा जा रहा है क्योंकि इनमें से 99 प्रतिशत से ज्यादा को वैज्ञानिक पहचानने तक नहीं हैं और न ही उनके बारे में कभी सुना है। यह विशाल समुद्री बैक्टीरिया है, जहाँ की गहराई लगभग 6000 मीटर तक पहुँचती है। सूरज की रोशनी से दूर इस अंधेरी दुनिया में जीवन्त किस तरह पम्पता है, यह वैज्ञानिकों के लिए लंबे समय से एक दिलचस्प सवाल रहा है। इस क्षेत्र की तलहटी पर आलू के आकार जैसी लाखों धातुओं से भरी हुई चट्टानें बिखरी हुई हैं, जिन्हें पॉलीमेटलिक नोड्यूल कहा जाता है।

मुनीर के तेहरान दौर के तुरंत बाद पाक-ईरान सीमा पर हमला

तेहरान, एजेंसी। पाकिस्तान और ईरान की सीमा पर स्थित उस समय और अधिक तनावपूर्ण हो गई जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल अजिम मुनिर की तेहरान की आधिकारिक यात्रा समाप्त होने के तुरंत बाद ट्रेड गेट 250 के पास अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोल दिया। रिमदान सीमावर्ती क्षेत्र में हुए इस दुस्साहसिक हमले में ताजे फलों और खाद्य सामग्रियों से लदे जंखनों भारी मालवाहक ट्रकों को आग के हवाले कर दिया गया। हमले के बाद सीमा सुरक्षा बलों और बंदूकधारियों के बीच जोरदार गोलीबारी हुई, जिससे कुछ घायलों में दहशत फैल गई। इस घटना ने दोनों देशों के पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। इस घटना ने दोनों देशों के कूटनीतिक हलकों में हड़कप मचा दिया है। हमले के की सूचना मिलते ही आपाकालीन रस्तों और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर भेजा गया। पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों को पकड़ने और सीमावर्ती क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि कहीं इस हमले का तार ब्लूचिस्तान क्षेत्र में सक्रिय उग्रवादी गुटों से तो नहीं जुड़ा है। इस अग्रिमकांड से

स्थानीय निर्यातकों और व्यापारियों को करोड़ों रुपय का सीधा नुकसान पहुंचा है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान और ईरान के बीच गंद-रिमदाग और तापाना सीमा चौकियों पर वाणिज्यिक आवाजाही काफी दिनों से बाधित है। पाकिस्तान ने सुरक्षा कारणों और तस्करों रोकने का हवाला देकर ईरानी ट्रकों के प्रवेश पर रोक लगा रखी है, जिसके जवाब में सैकड़ों ट्रक सीमा पर लावारिस हालत में खड़े हैं। इन ट्रकों के चालकों को पीने के पानी और भोजन-जैसी मूलभूत सुविधाओं के संकट से जूझना पड़ रहा है। सेना प्रमुख आसिम मुनिर के तेहरान दौरे के दौरान ईरानी नेतृत्व के साथ सीमा विवाद सुलझाने पर चर्चा हुई थी। ईरान-पाकिस्तान संसदीय मैत्री समूह के प्रमुख फदाहोसेन मलेकी के अनुसार आसिम मुनिर ने तेहरान से सीमा खोलने के आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति नहीं बदली। मलेकी ने चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान को तरफ से ईरानी ट्रकों का आवाजाही को तकनीकी बहाने बनाकर रोका जाय, तो ईरान भी अपनी तरफ से सीमा को पूर्णतः सील कर देगा।

ग्राम पंचायत गुरला में नो सरपंच प्रत्याशियों ने किया नामांकन दाखिल, लोकतंत्र का उत्सव बना पंचायत चुनाव

स्मार्ट हलचल

गुरला भीलवाड़ा जिले की ग्राम पंचायत गुरला में पंचायती राज चुनाव को लेकर लोकतंत्र का उत्सव अपने चरम पर है। शुक्रवार को ग्राम पंचायत गुरला में सरपंच पद के लिए कुल नो प्रत्याशियों ने अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया के साथ ही पूरे गुरला पंचायत क्षेत्र में चुनावी सरगमीं तेज हो गई है। गांव की चौपाल से लेकर खेत-खलिहान तक, हर जगह पंचायत चुनाव की चर्चा है। प्रशासन द्वारा नामांकन प्रक्रिया के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई और पूरा दिन शांतिपूर्ण तरीके से नामांकन दाखिल करने का कार्य चलता रहा। सुबह से ही ग्राम पंचायत कार्यालय के बाहर प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। प्रत्येक प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते हुए नामांकन दाखिल करने पहुंचा। पूरे दिन गुरला गांव में एक मेले जैसा माहौल रहा। महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और किसानों ने बड़-चढ़कर इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लिया। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। पुलिस जासा सुबह से ही तैनात रहा और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए हर चौराहे पर पुलिसकर्मी मुस्तैद रहे। नामांकन



दाखिल करने के बाद सभी प्रत्याशियों ने शक्ति प्रदर्शन के तौर पर विशाल रैलियां निकालीं। गुरला पंचायत का हर मंदिर एक आस्था का केंद्र है और हर शुभ कार्य की शुरुआत मंदिरों से की जाती है। मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद रैलियां पूरे गांव में भ्रमण के लिए निकलीं। रैलियों में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। हाथों में झंडे-बैनर लिए हुए युवा, सिर पर पल्लू डाले हुए महिलाएं, बुजुर्ग, सभी ने रैलियों में भाग लेकर लोकतंत्र के इस पर्व को सफल बनाया। ग्रामीणों ने कहा कि गुड़ की मिठास की तरह ही गांव में भाईचारा बना रहे और जो भी सरपंच बने, वह गांव का विकास करे। हर गली मोहल्ला में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत किया और विजय की कामना

की। यहां के बुजुर्गों ने रैली का स्वागत किया और सभी प्रत्याशियों को आशीर्वाद दिया। बुजुर्गों ने कहा कि पंचायत चुनाव गांव के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। सही व्यक्ति का चुनाव करने से गांव का भविष्य उज्ज्वल होता है। उन्होंने सभी प्रत्याशियों से अपील की कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से लड़ा जाए और जीतने के बाद गांव के विकास को प्राथमिकता दी जाए। इस पूरे आयोजन में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं अपने घरों से निकलकर रैलियों में शामिल हुईं। महिलाओं ने कहा कि पंचायत चुनाव में उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। वे चाहती हैं कि गांव में पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में काम हो।

महिलाओं ने कहा कि गांव में शौचालय, आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल और अस्पताल की सुविधाओं में सुधार होना चाहिए। उन्होंने सभी प्रत्याशियों से अपील की कि वे महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लें। युवाओं में भी चुनाव को लेकर भारी उत्साह देखा गया। युवाओं ने कहा कि वे गांव में रोजगार, खेल सुविधाएं, इंटरनेट कनेक्टिविटी और उच्च शिक्षा की सुविधाएं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि गांव से शहरों की ओर पलायन को रोकने के लिए गांव में ही रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे। युवाओं ने सभी प्रत्याशियों से अपील की कि वे युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर विकास योजनाएं बनाएं। बुजुर्गों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि गुरला पंचायत में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में प्रत्याशी मैदान में उतरे हैं और इतना उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है। जितने अधिक लोग चुनाव में भाग लेंगे, लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। बुजुर्गों ने सभी प्रत्याशियों को आशीर्वाद दिया और कहा कि चुनाव के बाद सभी को मिलकर गांव के विकास के लिए काम करना चाहिए। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह से शांतिपूर्ण रही। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या विवाद की सूचना नहीं

मिली। सभी प्रत्याशियों ने निर्धारित समय पर अपने दस्तावेज जमा किए और प्रशासन ने सभी दस्तावेजों की जांच की। अधिकारियों ने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच के बाद पात्र प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। उसके बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे और प्रचार का दौर शुरू होगा। ग्राम पंचायत गुरला के चुनाव को लेकर पूरे क्षेत्र में चर्चा है। लोग अपने-अपने प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं। चाय की दुकानों, चौपालों और खेतों में चुनावी चर्चा जोरों पर है। हर कोई अपने गांव के विकास के लिए सबसे योग्य व्यक्ति को चुनना चाहता है। लोगों का कहना है कि सरपंच ऐसा होना चाहिए जो सबको साथ लेकर चले, ईमानदार हो, शिक्षित हो और गांव के विकास के लिए समर्पित हो। पंचायत चुनाव में विकास के मुद्दे प्रमुख हैं। लोगों की मांग है कि गांव में पक्की सड़कें, नालियां, पीने के पानी की व्यवस्था, बिजली, स्कूल, अस्पताल, आंगनवाड़ी केंद्र, खेल मैदान, सामुदायिक भवन और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं में सुधार हो। किसानों की मांग है कि खेती के लिए पानी, बीज, खाद और बाजार की सुविधा मिले। महिलाओं की मांग है कि महिला समूहों को बढ़ावा दिया जाए और उन्हें रोजगार के अवसर मिलें। चुनाव आयोग ने भी पंचायत चुनाव को

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मतदान केंद्रों की सूची तैयार की जा रही है और सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने सभी प्रत्याशियों और मतदाताओं से अपील की है कि वे चुनाव आचार संहिता का पालन करें और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव में भाग लें। ग्राम पंचायत गुरला का यह चुनाव पूरे भीलवाड़ा जिले के लिए एक मिसाल बन सकता है। जिस तरह नो प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया और हजारों लोगों ने रैलियों में भाग लेकर लोकतंत्र के इस पर्व को मनाया, वह वाकई काबिले तारीफ है। अब सभी की निगाहें चुनाव के दिन पर टिकी हैं जब गांव के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपने गांव के भविष्य का फैसला करेंगे। यह चुनाव न केवल एक सरपंच का चुनाव है, बल्कि गांव के विकास, एकता और भविष्य का चुनाव है। गुरला पंचायत के मतदाता जागरूक हैं और वे सोच-समझकर अपने मत का प्रयोग करेंगे। लोकतंत्र की इस खूबसूरती को गुरला पंचायत ने बखूबी दर्शाया है कि कैसे बिना किसी भेदभाव के, सभी वर्ग, सभी जाति और सभी धर्म के लोग एक साथ मिलकर अपने गांव के विकास के लिए एकजुट हो सकते हैं। आने वाले दिनों में प्रचार और तेज होगा और गांव में चुनावी रंग और गहरा होगा।

खटवाड़ा में सरपंच पद के लिए त्रिकोणीय मुकाबला, जोजवा, में आधा दर्जन से अधिक उम्मीदवार चुनावी रण में

स्मार्ट हलचल

खटवाड़ा -खटवाड़ा व जोजवा पंचायत में सरपंच पद के लिए शुक्रवार को अपनी अपनी पंचायतों में सरपंच पद के लिए उम्मीदवारों ने नामांकन भरे खटवाड़ा में तीनों ही उम्मीदवार सुखवाल ब्राह्मण समाज के होने से मुकाबला दिलचस्प बना हुआ है । खटवाड़ा पंचायत में सबसे ज्यादा मतदाता रेगार समाज, के दूसरे नंबर पर ब्राह्मण समाज के व तीसरे नंबर पर जाट समाज के ज्यादा मतदाता है बताया गया कि रेगार समाज के मतदाताओं का झुकाव जिस उम्मीदवार की तरफ होगा वहीं उम्मीदवार बाजी मार सकता है पड़ोसी पंचायत जोजवा में 13 उम्मीदवार सरपंच पद के लिए भाग्य अजमा रहे हैं । मुख्य मुकाबला स्यामलाल शर्मा व पूर्व सरपंच धर्मराज जाट के बिच होने का अनुमान है।

बीगोद में मव्य भजन संस्था आयोजित हुई युवराज वैष्णव एंड पार्टी कंकरोलिया घाटी ने भजनों से समां बांधा



स्मार्ट हलचल

आकोला / स्थानीय दशहरा मैदान में दशहरामहोत्सव के तहत तीसरे दिन की नगरपालिका बीगोद भजन संस्था आयोजित हुआ । जिसमें ककरोलियां घाटी की युवराज वैष्णव एंड पार्टी ने रात भर भजनों से श्रोताओ के बीच स्वरलहरियां बिखेरते हुए समा बांधा। महिला पुरुष बच्चे सब भजनों के आनंद में डूबे रहे। प्रभु भक्ति के भजनों पर जम कर महिला , पुरूषों ने नृत्य किया। भजन गायक टीम ने विभिन्न राम, लक्ष्मण, हनुमान आदि की वेषभूषा में झांकियां श्रोताओं के बीच प्रस्तुत कर माहौल को और विशेष भक्तिमय बनाया। विशेष धार्मिक भक्ति के माहौल नेआम जन को बरबस आकर्षित किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में मुख्य अतिथि पूर्व जिला प्रमुख इंजिनियर कन्हैयालाल धाकड़ एवं अन्य उपस्थित अतिथियों का नगरपालिका चेयरमैन लोकेश नागोरी ,उप चेयरमैन , पार्षदों ने अभिनंदन, स्वागत सत्कार किया ।इस बीच बड़ी सादड़ी के नगरपालिका चेयरमैन का भी स्वागत किया गया।

गुरला में बगावत के सुर - सास बहू दोरानी जेठानी आमने-सामने, ग्राम पंचायत गुरला में सरपंच चुनाव में परिवार में ही घमासान



स्मार्ट हलचल

गुरला: ग्राम पंचायत गुरला में इस बार सरपंच चुनाव बेहद दिलचस्प हो गया है। गुरला के पूर्व सरपंच श्रवण गुर्जर के परिवार में ही बगावत के सुर छेड़ दिए हैं। गुरला में परिवार में ही बगावत पूर्व सरपंच श्रवण गुर्जर की मां हीरू देवी और उनकी भाभी पुजा गुर्जर अब चुनावी मैदान में आमने-सामने हैं। एक ही परिवार की सास और बहू प्रतिद्वंद्वी बन गई हैं। गांव में हर गली में इसी की चर्चा है। पूर्व सरपंच के परिवार में अंतर्कलह पूर्व सरपंच श्रवण गुर्जर के भाई ने कहा कि परिवार में इस बार सहमति नहीं बन पाई। मां हीरू देवी गुर्जर और बड़े भाई की पत्नी पुजा गुर्जर दोनों ने चुनाव लड़ने का निर्णय ले लिया है, जो हमारे लिए आश्चर्यजनक है। उन्होंने दोनों को समझाने का प्रयास किया लेकिन दोनों अपने फैसले पर अडिग हैं। ग्रामीण इसे लोकतंत्र की खूबसूरती भी मान रहे हैं कि महिलाएं अब खुलकर राजनीति में भाग ले रही हैं। नो प्रत्याशी, बड़ी सियासी हलचल गुरला ग्राम पंचायत में इस बार कुल 9 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है, अन्य प्रत्याशी भी प्रचार में जुटे हैं लेकिन सास-बहू का मुकाबला सबसे अधिक चर्चा में है।

विद्यार्थियों ने संभाली मतदाता जागरूकता की कमान, स्कूलों से गूंजा मतदान का संदेश रैली, पोस्टर और नारों से जगाई अलख, घर-घर तक पहुंचा रहे ‘हर वोट जरूरी’ का संदेश

स्मार्ट हलचल। अनिल खींची

ब्यावर । लोकतंत्र की मजबूती और मतदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ब्यावर जिले में जिला स्वीप (रङ्गधराजस्थान पत्रिका) टीम की ओर से राजकीय एवं गैर-राजकीय विद्यालयों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विद्यार्थी विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से आमजन को मतदान का महत्व समझा रहे हैं और अधिकधिक मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। विद्यालयों में रैली, पोस्टर निर्माण, चित्रकला, नारा लेखन, प्रश्नोत्तरी, भाषण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए मतदान का संदेश दिया जा रहा है। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को बताया जा रहा है कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत महत्वपूर्ण है और मताधिकार का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करना हर नागरिक का कर्तव्य है। विद्यार्थी स्वयं जागरूक होने के साथ अपने परिवारजनों और आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। विद्यार्थियों के जरिए घर-घर पहुंचेगा जागरूकता संदेश अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी धनदान देथा के साल्निध्य में संचालित इस अभियान में विद्यार्थियों को जागरूकता की अहम कड़ी बनाया गया है। विद्यालयों में नवाचारपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों और मतदान के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। जिला स्वीप टीम की ओर से विद्यालयों को अधिकधिक लोगों तक मतदान का संदेश पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से परिवार और समाज में जागरूकता बढ़ाना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए आमजन को प्रेरित करना है।



दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा, 240 किलो मिठाई-नमकीन मौके पर नष्ट

रायला के मालवा मिष्ठान भंडार से मावा बर्फी और बूंदी के लड्डू के नमूने लिए,

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। दीपावली के त्योहार पर मिठाइयों और खाद्य सामग्री की बढ़ती मांग के बीच मिलावटखोरों पर शिकंजा कसने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में सघन जांच अभियान शुरू कर दिया है। शुक्रवार को रायला में कार्रवाई करते हुए टीम ने करीब 240 किलोग्राम मिठाई, रसगुल्ले, नमकीन और चाशनी मौके पर ही नष्ट करवाई। वहीं, मिष्ठान भंडार से मावा बर्फी और बूंदी के लड्डू के नमूने लेकर जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। दुकानदार को कमियां सुधारने के लिए नोटिस भी जारी किया जाएगा। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि दीपावली पर आमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाना विभाग की प्राथमिकता है।



मिलावटी और अवधिपार खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए जिलेभर में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमें लगातार निरीक्षण कर रही हैं। शुक्रवार को रायला चौराहे स्थित मालवा मिष्ठान भंडार का निरीक्षण किया गया। इस दौरान खाद्य सामग्री की जांच करते हुए मावा बर्फी और बूंदी के लड्डू के नमूने लिए गए।

इसके साथ ही करीब 240 किलोग्राम मिठाई, रसगुल्ले, नमकीन और चाशनी मौके पर ही नष्ट करवाई गई। विभाग की ओर से संबंधित फर्म को पाई गई कमियों में सुधार के लिए नोटिस जारी किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान बनेझू ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बनवारी लाल यादव सहित खाद्य

सुरक्षा अधिकारी पवन कुमार रैगर, विजय कुमार मेहता और अंकित शर्मा मौजूद रहे। इसी अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की दूसरी टीम ने माडल में भी खाद्य सामग्री की जांच की। यहां पटवारी सुपर बाजार का निरीक्षण कर मिर्च पाउडर का वैधानिक नमूना तथा हल्दी पाउडर का गैर-वैधानिक नमूना

लिया गया। इसके बाद लड्डू किराणा स्टोर से सरस घी का वैधानिक नमूना लिया गया। सभी नमूनों को जांच के लिए अजमेर स्थित प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीरज मीणा, संजय वर्मा और कुलदीप चौधरी मौजूद रहे। सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने आमजन से अपील की कि दीपावली टीम ने माडल में भी खाद्य सामग्री की जांच की। यहां पटवारी सुपर बाजार का निरीक्षण कर मिर्च पाउडर का वैधानिक नमूना तथा हल्दी पाउडर का गैर-वैधानिक नमूना

मोह-माया छोड़ समूची सृष्टि से प्रेम करें, यही सच्ची भक्ति : संत नवनिधराम

रामनिवास धाम में रामस्नेही संप्रदाय के चातुर्मास का समापन, सेवा कार्यों की परंपरा जारी रखने का संकल्प

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। रामस्नेही संप्रदाय की मुख्यपीठ रामनिवास धाम में चातुर्मास का समापन परंपरागत विधि-विधान के साथ हुआ। बारादरी में आयोजित समारोह में कार्यवाहक भंडारी संत नवनिधराम महाराज और संत मस्तुराम महाराज के चातुर्मास की पूर्णता पर सर्व रामस्नेही सत्संगीजनों की मौजूदगी में समापन की घोषणा की गई। इस दौरान गादीजी की आरती-वंदना की गई। संतवाणी के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रेम, करुणा, समभाव और सेवा का संदेश दिया गया। समारोह में कार्यवाहक भंडारी संत नवनिधराम महाराज ने कहा कि मोह-माया में उलझे रहना ही अज्ञान है। किसी वस्तु को 'मेरी वस्तु' मानकर उससे मोह रखना माया है। केवल अपने परिवार और अपने लोगों से प्रेम करना भी इसी सीमित भाव का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि समूची धरती पर रहने वाले सभी मनुष्यों और सभी धर्मों के लोगों से प्रेम करना ही दया और भक्ति का वास्तविक स्वरूप है। सच्ची भक्ति वही है, जिसमें मनुष्य भेदभाव से ऊपर उठकर सभी के प्रति करुणा और सद्भाव रखे। चातुर्मास में सत्संग और साधना से मिलता है मार्गदर्शन संत नवनिधराम महाराज ने कहा कि रामस्नेही संप्रदाय में चातुर्मास की परंपरा का लंबा इतिहास है। इस अवधि में गुरु और आराध्य की स्तुति, जप-तप, आराधना, सत्संग और कथा के आयोजन होते हैं। इनसे समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को आध्यात्मिक मार्गदर्शन मिलता है। चातुर्मास आत्मध्तिन



के साथ जीवन में सदाचार और सेवा के भाव को मजबूत करने का अवसर भी है। 2011 से सेवा कार्यों की परंपरा जारी संत नवनिधराम महाराज ने बताया कि शाहपुरा में वर्ष 2011 से श्रीजी महाराज की जयंती और निर्वीण महोत्सव के आयोजन के साथ उनकी स्मृति में जरूरतमंदों को राशन सामग्री, कंबल और विद्यार्थियों को पाठ्यसामग्री वितरित करने सहित कई सेवा कार्य किए जा रहे हैं। रामस्नेही अनुश्रुतियों के सहयोग और प्रेरणा से ये आयोजन शाहपुरा की धार्मिक-सामाजिक परंपरा का हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि शाहपुरा और अन्य स्थानों के रामस्नेही अनुश्रुतियों के सहयोग से सेवा गतिविधियों का यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। समारोह में सूर्यप्रकाश बिड़ला, कैलाशचंद्र तोषनीवाल, रामेश्वरलाल बसेर, राकेश सोमानी, रामकल्याण सोमानी, दीनदयाल मारु, महावीर जागेटिया और रामसहाय बिड़ला सहित अनेक श्रद्धालु भी मौजूद रहे।

मेयर जसवंत कंवर के खिलाफ अपनों ने खोला मोर्चा, 14 पार्षदों के ज्ञापन से निगम में हलचल

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। नगर निगम में नई बोर्ड के गठन के बाद अब महापौर जसवंत कंवर को अपनी ही पार्टी के पार्षदों के सवालों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के पार्कों की बदहाली, रखरखाव में कथित लापरवाही और श्रमिकों को महीनों से मानदेय नहीं मिलने के मुद्दे पर सत्ता पक्ष के पार्षदों ने महापौर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। इस घटनाक्रम ने निगम में सत्तारूढ़ दल के भीतर चल रहे असंतोष को लेकर राजनीतिक चर्चाओं को हवा दे दी है। खास बात यह है कि पार्कों की दुर्दशा और रखरखाव व्यवस्था को लेकर सवाल विपक्ष ने नहीं, बल्कि महापौर की अपनी ही पार्टी के पार्षदों ने उठाए हैं। पार्षदों ने संबंधित संवेदक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उसका आगामी भुगतान रोकने, अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन पर

पार्कों की बदहाली और ठेकेदार की मनमानी पर उठाए सवाल, भुगतान रोकने से लेकर ठेका निरस्त करने तक की मांग; सत्ता पक्ष के भीतर असंतोष के संकेत



कार्रवाई करने और ज़रूरत पड़ने पर ठेका निरस्त करने की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि शहर के विभिन्न पार्कों में नियमित सफाई, सिंचाई और पेड़-पौधों की कटाई-छंटाई नहीं होने से उनकी

स्थिति लगातार खराब हो रही है। पार्कों के रखरखाव में अपेक्षित गंभीरता नहीं बरते जाने से आमजन को मिलने वाली सार्वजनिक सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं। पार्षदों ने श्रमिकों को पांच से छह माह तक भुगतान

नहीं मिलने का मुद्दा भी उठाया है। उनका कहना है कि जब रखरखाव के लिए जिम्मेदार संवेदक अपनी जिम्मेदारियों का समुचित निर्वहन नहीं कर रहा है, तो उसके खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। नगर निगम में नई व्यवस्था के बीच अपनी ही पार्टी के पार्षदों की ओर से महापौर को इस तरह ज्ञापन सौंपना राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सवाल यह है कि मामला केवल पार्कों के रखरखाव में लापरवाही तक सीमित है या इसके पीछे निगम के कामकाज को लेकर सत्ता पक्ष के भीतर पनप चुके नाराजगी भी सामने आ रही है। आने वाले दिनों में महापौर और निगम प्रशासन का रुख इस पूरे घटनाक्रम

की दिशा तय कर सकता है। दीपावली जैसे बड़े त्योहार से पहले शहर की सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक सुविधाओं और पार्कों की स्थिति को लेकर पहले ही सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में सत्तारूढ़ दल के पार्षदों की शिकायत ने निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली को भी सवालों के घेरे में ला दिया है। यदि शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई नहीं होती है, तो यह मुद्दा शहर की राजनीति में और तूल पकड़ सकता है। ज्ञापन पर सुभाष सोनी, नरवण जाट, बिलेश्वर बादल, सुरेंद्र सिंह राठौड़, खुशबू गुर्जर, संपत लाल गोंधर्व, हेमराज आचार्य, शंकर जाट, महेंद्र सिंह और ममता सहित पार्षदों के हस्ताक्षर बताए गए हैं। हालांकि, उपलब्ध विवरण में 14

पार्षदों का उल्लेख है, जबकि नामों की सूची में इससे कम नाम दिए गए हैं। अब निगाहें महापौर जसवंत कंवर के रुख पर टिकी हैं। पार्षदों ने सीधे महापौर से कार्रवाई की मांग की है। ऐसे में देखना होगा कि महापौर शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित संवेदक के खिलाफ कार्रवाई करती हैं और पार्षदों का भरोसा जीतती हैं या फिर यह मामला निगम में सत्ता पक्ष के भीतर असंतोष की नई बहस को जन्म देता है। फिलहाल, इस ज्ञापन को खुली बगावत कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इसे अपनी ही पार्टी के पार्षदों की ओर से महापौर के सामने उठाए गए असहज सवालों के रूप में जरूर देखा जा रहा है।

लक्ष्मीनारायण व्यास बने विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष साज में हर्ष की लहर

माल्यार्पण और उपरना ओढ़ाकर किया अभिनंदन, व्यास ने जताया वरिष्ठजनों का आभार

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा विप्र फाउंडेशन, भीलवाड़ा के जिलाध्यक्ष पद पर लक्ष्मीनारायण व्यास (श्री रामभक्त वाले) की नियुक्ति से विप्र समाज में हर्ष का माहौल है। उनकी नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों और विप्र बंधुओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर समाजजनों ने माल्यार्पण कर और उपरना ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया तथा फल-मिठाई वितरित कर खुशी जाहिर की। नव नियुक्त जिलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण व्यास ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा, सत्यनारायण श्रीमाली, के.के. शर्मा, प्रमोद पालीवाल, नवीन शर्मा, दिनेश शर्मा, मधुसूदन पारीक, चितवन व्यास, तुलसीराम शर्मा, लोकेश तिवारी और लक्ष्मणलाल शर्मा सहित संगठन के शीर्ष नेतृत्व, वरिष्ठजनों, मातृशक्ति, युवा शक्ति एवं विप्र फाउंडेशन परिवार के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। अभिनंदन समारोह में तुलसीराम शर्मा, अभिषेक शर्मा, सुरज जोशी, शुभम सुखवाल, विशाल सुखवाल, देवेंद्र सारस्वत, हर्षित ओझा, रोहित शर्मा, मनोज कांछवाल, अंशुल पुरोहित,



शुभम व्यास, नारायण सुखवाल, मुकेश शर्मा, बालुराम व्यास, सुरेश व्यास, मोहन व्यास, नमन व्यास, अक्षत व्यास, विपिन टेलर, अंकित जगौटिया और आलोक बुटरा सहित अनेक पदाधिकारी एवं विप्र बंधु उपस्थित रहे। इस दौरान मातृशक्ति ने भी सहभागिता निभाते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। लक्ष्मीनारायण व्यास ने कहा कि भगवान श्री परशुराम जी की कृपा, माता-पिता के आशीर्वाद तथा वरिष्ठजनों के स्नेह, विश्वास और मार्गदर्शन से उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व प्राप्त हुआ है। उनके लिए यह नियुक्ति केवल एक पद नहीं, बल्कि समाजसेवा, सामाजिक एकता और संगठन के प्रति समर्पण का संकल्प है। उन्होंने कहा कि सभी साथियों के सहयोग से विप्र समाज की एकता को मजबूत करने, आपसी सहयोग बढ़ाने

तथा समाज के उत्थान और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। विप्र फाउंडेशन के मूल ध्येय 'उन्नत समाज-समर्थ राष्ट्र' को साकार करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। संगठन की गतिविधियों को व्यापक बनाने और समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे। व्यास ने विश्वास जताया कि वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन, युवाओं की सक्रिय भागीदारी और मातृशक्ति के सहयोग से संगठन सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में नई ऊंचाइयां हासिल करेगा। अंत में उन्होंने समस्त विप्र बंधुओं, मातृशक्ति, युवा शक्ति और विप्र फाउंडेशन परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी स्नेह, सहयोग, आशीर्वाद और मार्गदर्शन बनाए रखने की अपेक्षा की।

मानसरोवर झील में नाव पलटने से 27 वर्षीय युवक की मौत मानसरोवर झील में नाव पलटी, जिंदगी बचाने के लिए लड़ता रहा शिवम, गहरे पानी में समाया

घूमने की चाह में झील के बीच पहुंचा 27 वर्षीय युवक, नाव का संतुलन बिगड़ने से हुआ हादसा; बचाने पहुंचे युवक ने पानी से निकाला शव, पटेलनगर में पसर मातम

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा झील का शांत पानी, घूमने का शौक और कुछ पल सुकून से बिताने की चाह। लेकिन किसी पता धा कि यही शौक एक परिवार की सुखियां हमेशा के लिए छीन लेगा। भीलवाड़ा की मानसरोवर झील में शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 27 वर्षीय शिवम सिंह राजपूत की डुबने से मौत हो गई। झील में नाव लेकर निकले शिवम की नाव अचानक पलट गई और वह गहरे पानी में जा गिरे। जिंदगी बचाने के लिए वह काफी देर तक पानी में संघर्ष करते रहे। तैरकर किनारे तक पहुंचने की कोशिश भी की, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना मिलने पर बचाने पहुंचे एक युवक ने उन्हें पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी सांसें धम चुकी थीं। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और न्यू पटेलनगर क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। प्रताप नगर थाना पुलिस के अनुसार, न्यू पटेलनगर सेक्टर-9 निवासी शिवम सिंह राजपूत पुत्र अनिल सिंह राजपूत शुक्रवार दोपहर मानसरोवर झील पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शिवम झील किनारे खड़ी एक नाव में बैठकर उसे खेतें हुए पानी की बीच तक ले गए। इसी



दौरान अचानक नाव का संतुलन बिगड़ गया और नाव पलट गई। नाव पलटते ही शिवम गहरे पानी में गिर गए। देखते ही देखते उनके सामने जिंदगी बचाने का संघर्ष खड़ा हो गया। पानी में गिरने के बाद शिवम ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने तैरकर किनारे तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन किनारा दूर होने के कारण उनकी मुश्किलें बढ़ती चली गईं। पानी में लगातार संघर्ष करने से वह थक गए और आंखिरकार गहरे पानी में डूब गए। कुछ देर पहले तक जिस युवक के लिए झील की सैर मनोरंजन का जरिया थी, वही झील उसके लिए मौत का कारण बन गई। हादसे की सूचना मिलने पर निलेश कुमार नाम का युवक मौके पर पहुंचा। उसने शिवम को बचाने के लिए झील में छलांग लगाई और उन्हें पानी से बाहर निकालने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद शिवम को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे की जानकारी मिलते ही प्रताप नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। परिजन भी झील पर पहुंचे और शिवम की पहचान की।

जवान बेटे की मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पुलिस के अनुसार, शिवम बेरोजगार थे और पिछले करीब दो महीनों से घर भी नहीं गए थे। हादसे के वास्तविक कारणों और उससे जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की। मानसरोवर झील में हुए इस हादसे ने झील में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। झील किनारे खड़ी नाव का इस्तेमाल करने की अनुमति थी या नहीं, नावों की निगरानी के लिए क्या इंतजाम हैं और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा के पर्याप्त उपाय किए गए हैं या नहीं, इन पहलुओं पर संबंधित जिम्मेदारों को ध्यान देने की जरूरत है। शिवम की मौत ने एक परिवार को ऐसा दर्द दे दिया, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। झील की सैर पर निकले युवक का सफर हमेशा के लिए धम गया। हादसा एक बार फिर चेतावनी दे गया कि पानी की गहराई और सुरक्षा के प्रति जरा-सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है।

पार्षद बनते ही विकास कार्यों को लेकर सक्रिय हुई अनीता सुराणा, वार्ड नंबर 3 में निर्माण कार्य शुरू



स्मार्ट हलचल

माण्डलगढ़। नगर पालिका माण्डलगढ़ के वार्ड नंबर 3 में विकास कार्यों की शुरुआत हो गई है। वार्ड पार्षद एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष अनीता सुराणा की ओर से नाली निर्माण कार्य शुरू करवाया गया है। पार्षद बनने के बाद वार्ड की समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों को लेकर उनकी सक्रियता देखने को मिल रही अनीता सुराणा की पहल से वार्ड में विकास कार्य शुरू होने के साथ ही क्षेत्रवासियों को आने वाले समय में अन्य समस्याओं के समाधान की भी उम्मीद है।

बागवाली मस्जिद में इमाम मुजीब खान एवं हाफिज फरहान खान की दस्तारबंदी कर किया इस्तकबाल

कुरआन-ए-पाक की तालीम और हिफज की अहमियत पर दिया संदेश, मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सदस्यों ने गुलपोशी कर किया सम्मान

स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा निंबाहेड़ा स्थित बागवाली मस्जिद में शुक्रवार को एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मदरसे के इमाम जनाब मुजीब खान साहब तथा कुरआन-ए-पाक को हिफज करने वाले फरहान खान वल्द उस्मान खान की मस्जिद बागवाली इंतजामिया कमेटी के सदस्यों की ओर से दस्तारबंदी एवं गुलपोशी कर इस्तकबाल किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने दोनों का सम्मान करते हुए मुबारकबाद पेश की और उनके उज्ज्वल भविष्य एवं धार्मिक सेवाओं के लिए दुआएं कीं। समारोह में कुरआन-ए-पाक की तालीम, उसकी हिफज करने की अहमियत तथा दीन-



ए-इस्लाम की शिक्षाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के महत्व पर जोर दिया गया। कुरआन-ए-पाक को हिफज करना एक महत्वपूर्ण धार्मिक उपलब्धि है। ऐसे अवसरों ने धार्मिक तालीम हासिल करने वालों का हौसला बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में इल्म, अखलाक और दीनी तालीम के प्रति जागरूकता भी पैदा करते हैं।

मस्जिद बागवाली इंतजामिया कमेटी की ओर से आयोजित इस सम्मान कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने इमाम मुजीब खान एवं हाफिज फरहान खान को मुबारकबाद देते हुए उम्मीद जताई कि वे भविष्य में भी दीनी तालीम और समाज में धार्मिक एवं नैतिक मूल्यों के प्रसार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। इस

अवसर पर हजरत केली वाले बाबा साहब बाग वाली मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सरपरस्त हाजी अख्तर पटेल, हाजी अमीन जागीरदार, हाजी जकी अहमद, सदर परवेज अहमद, सेक्रेटरी अब्दुल अजीज कुरेशी, खजांची सय्यद अनवर अली, बागवाली मस्जिद के इमाम जनाब जौशन खान, नायब इमाम जनाब साजिद बरकाती, मोहम्मद अजीज, साबिर रहमानी, मोहम्मद हनीफ, अनीस अहमद, नाहिद खान एवं वसीम इफ्फानीऔर जाफिर हुसैन सहित अन्य गणमान्य जन मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने दोनों का इस्तकबाल करते हुए उनके लिए दुआ-ए-खैर की और धार्मिक तालीम के प्रसार के लिए ऐसे आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया।

भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन पर बाल भिक्षावृत्ति और तस्करी रोकने के लिए जागरूकता अभियान

रेलवे परिसर में बाल भिक्षावृत्ति और तस्करी रोकने की पहल, आरपीएफ ने यात्रियों को किया जागरूक

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा रेलवे परिसर में बाल भिक्षावृत्ति, बाल तस्करी और बच्चों के शोषण की रोकथाम के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की ओर से संयुक्त जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई। इस दौरान यात्रियों और आमजन को बाल अधिकारों, बच्चों की सुरक्षा तथा संकटग्रस्त बच्चों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान आरपीएफ प्रभारी विक्रम सिंह चौधरी, आरपीएफ पुलिसकर्मीयों तथा चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक राधेश्याम गुर्जर एवं सुमन साहू ने रेलवे परिसर में मौजूद यात्रियों और आमजन से संवाद किया। टीम ने बताया कि रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थानों पर बच्चों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना बेहद जरूरी है। बाल भिक्षावृत्ति, बाल तस्करी और बच्चों के शोषण जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। टीम ने लोगों को समझाया कि रेलवे परिसर में कोई बच्चा भिक्षावृत्ति करता हुआ, असाहाय अवस्था में या किसी सदृश्य परिस्थिति में दिखाई दे, तो उसे नजरअंदाज करने के बजाय तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचना दें। इसी तरह, किसी बच्चे के अपहरण, तस्करी या शोषण से जुड़ी आशंका होने पर भी संबंधित विभाग को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक सहायता और संरक्षण उपलब्ध कराया जा सके। आरपीएफ एवं चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने आमजन से अपील की कि बच्चों के प्रति संवेदनशीलता बरतें और उनकी सुरक्षा को सामाजिक जिम्मेदारी समझें। जागरूकता, सतर्कता और समय पर सूचना के माध्यम से बच्चों को शोषण एवं तस्करी के खतरे से बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। इस जागरूकता गतिविधि का उद्देश्य भीलवाड़ा रेलवे परिसर को बच्चों के लिए अधिक सुरक्षित बनाना, बाल अधिकारों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद बच्चों तक समय पर सहायता पहुंचाना रहा।



गैस लीकेज से मिष्ठाण भंडार में भड़की आग, सूझबूझ से टला बड़ा हादसा



बडला चौराहे के पास मिष्ठाण भंडार में गैस लीकेज से भड़की आग, मची अफरा-तफरी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के व्यस्त बडला चौराहे के पास शुक्रवार को सांवरिया मिष्ठाण भंडार में गैस लीकेज के कारण अचानक आग लग गई। दुकान में आग की लपटें उठती देख आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि दुकानदार और वहां मौजूद सहयोगियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तत्काल आग पर काबू पाने का प्रयास किया। करीब 10 मिनट की मशक्कत के बाद आग बुझा दी गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, बडला चौराहे के निकट स्थित सांवरिया मिष्ठाण भंडार में रोजाना की तरह कामकाज चल रहा था। इसी दौरान अचानक गैस पाइपलाइन या सिलेंडर के आसपास गैस लीकेज होने से आग भड़क उठी। देखते ही देखते दुकान के भीतर आग की लपटें उठने लगीं। अचानक हुई इस घटना से दुकान में मौजूद लोगों में हड़कंध मच गया, वहीं आसपास के दुकानदार भी सहम गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दुकानदार और उनके सहयोगियों ने तत्काल सक्रियता दिखाई और आग पर काबू पाने में जुट गए। करीब 10 मिनट तक की गई मशक्कत के बाद आग बुझा दी गई। समय रहते आग पर नियंत्रण पा लेने से आग के आसपास की दुकानों तक फैलने और बड़े नुकसान की आशंका टल गई। शहर के व्यस्त बाजार क्षेत्र में हुई इस घटना ने एक बार फिर गैस सिलेंडर और पाइपलाइन के सुरक्षित इस्तेमाल के प्रति सतर्कता बरतने की जरूरत को रेखांकित किया है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारण और नुकसान के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

9 पंचायत समितियों में आज वोटिंग की जंग, 8.91 लाख मतदाता चुनेंगे गांवों की सरकार

सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान; 1,110 वार्डों पर सरपंच-वार्ड पंच के लिए वोटिंग, बैलेट पेपर से होगा फैसला, मतदान के बाद शुरू होगी मतगणना

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) गांवों की सरकार चुनने के लिए शनिवार को फिर लोकतंत्र का महासंग्राम होगा। जिले की 9 पंचायत समितियों की ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। चुनावी मैदान में उतरे प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला 8 लाख 91 हजार 353 मतदाता करेंगे। इसके लिए प्रशासन ने 1,110 मतदान केंद्रों पर तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस चुनाव में गांव की चौपाल से लेकर गलियों तक सियासी सगर्मी चरम पर है। कहीं सरपंच पद को लेकर सीधा मुकाबला है तो कहीं वार्ड पंच की सीट पर प्रतिष्ठा की लड़ाई है। प्रत्याशियों की धड़कनें तेज हैं और मतदाता अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने को तैयार हैं। **बैलेट पेपर से पड़ेगा वोट, शाम को खुलेगा किस्मत का पिटारा** सरपंच और वार्ड पंच के चुनाव में इस बार बैलेट पेपर के जरिए मतदान होगा। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना शुरू की जाएगी। इसके बाद परिणाम सामने आने लगेंगे और गांवों की नई सरकार की तस्वीर साफ होगी। चुनाव परिणाम प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य के साथ गांवों के आगामी नेतृत्व की दिशा भी तय करेंगे। **दो दिन में दूसरी बार मतदान, उंगली की स्याही में बदलाव** पंचायती राज चुनाव में मतदाता महज दो दिन के अंतराल में दूसरी बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इससे पहले 22 अक्टूबर को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान हुआ था। अब 24 अक्टूबर को सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए वोटिंग होगी। दोनों चुनावों के बीच एक खास बदलाव भी किया गया है। 22 अक्टूबर को मतदान के दौरान मतदाताओं के बाएं हाथ की तर्जनी पर अमिट स्याही लगाई गई थी। ऐसे में दोबारा मतदान के दौरान पहचान के लिए बाएं हाथ की दूसरी उंगली पर स्याही लगाने की व्यवस्था की गई है। **गांवों में चुनावी माहौल चरम पर** सरपंच और वार्ड पंच के चुनाव को लेकर गांवों में राजनीतिक हलचल तेज है। प्रत्याशियों ने मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। मतदान के दौरान प्रशासन की नजर शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव पर रहेगी। प्रवेश में पहले चरण के तहत 3,314 ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए मतदान आयोजित किया जा रहा है। ऐसे में शनिवार का दिन गांवों की राजनीति के लिए सबसे बेहद अहम रहने वाला है।

स्मार्ट हलचल | अनिल खींची

व्यावर। पंचायती राज चुनाव-2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारियों को गति दे दी है। जिला परिषद सदस्यों के अधिकृत प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न सौंपे जाने के साथ ही पार्टी ने चुनावी गतिविधियां तेज कर दी हैं। चुनाव चिह्न मिलने के बाद प्रत्याशी

अपने-अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क और प्रचार-प्रसार में जुट गए हैं। कलेक्टर कार्यालय में जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मोना को चुनाव चिह्न सौंपने के दौरान भाजपा के चुनाव प्रभारी पुष्प जैन, संगठन प्रभारी विमल अग्रवाल और समन्वयक आशीष सांड मौजूद रहे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, व्यावर विधायक शंकर सिंह रावत

तथा मसूदा विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत भी उपस्थित रहे। चुनाव प्रभारी पुष्प जैन ने पंचायत राज चुनाव में भी भाजपा की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि पार्टी चुनाव को लेकर सक्रिय है और अधिकृत प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्रों में प्रचार अभियान को गति दे रहे हैं। अब प्रत्याशियों का जोर जनसंपर्क के चुनाव चिह्न मिलने के बाद प्रत्याशियों ने मतदाताओं से संपर्क साधना शुरू कर दिया है।

पंचायती राज चुनाव को लेकर जिले में राजनीतिक सगर्मीयां तेज हो गई हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के मैदान में उतरने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी माहौल बनने लगा है। अब प्रत्याशियों का जोर जनसंपर्क के जरिए मतदाताओं तक पहुंचने पर रहेगा।

पंचायती राज चुनाव को लेकर जिले में राजनीतिक सगर्मीयां तेज हो गई हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के मैदान में उतरने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी माहौल बनने लगा है। अब प्रत्याशियों का जोर जनसंपर्क के जरिए मतदाताओं तक पहुंचने पर रहेगा।



आस्था की नगरी मंडफिया में अंधेरगर्दी,

सुविधाओं के नाम पर लाखों का निर्माण जमींदोज और प्रशासन की चुप्पी...

आचार सहिता की उड़ रही धज्जिया...

स्मार्ट हलचल/ आकाश शर्मा

मंडफिया । मैं कलम हूँ... सत्ता के दरबार की नहीं, जनता की आवाज हूँ। सृजन से विसर्जन तक का सच लिखता हूँ। मेरी स्थाही किसी सिंहासन की अनुचर नहीं है, बल्कि यह वक्त की खींची गई वह लकीर है, जिससे तख्त हिलते हैं और ताज बनते हैं। सत्ता के गलियारों में गूंज, जनता की खामोशी में सुलगता हुआ एक तीखा सवाल है। खबरें नहीं, उनके पीछे छिपी हकीकत लिखता हूँ। सत्ता का बनना और मिटना जनता तय करती है और मैं उसी संघर्ष का इतिहास लिखता हूँ। मेरा धर्म और कर्म सवाल पूछना और राह दिखाना है। मेरी ताकत कोई सत्ता नहीं, बल्कि जनता है। मेवाड़ के सुप्रसिद्ध कृष्णधाम श्री सांवलियाजी की पावन नगरी मंडफिया में इन दिनों विकास के नाम पर जो तमाशा चल रहा है, उसने श्रद्धालुओं की आस्था और जनता के पैसों का मज्जाक बनाकर रख दिया है। एक तरफ जहां प्राकृतिक जलस्रोतों



और जमीनों पर अवैध कब्जों का खेल जारी है, वहीं दूसरी तरफ खुद मंदिर मंडल और प्रशासनिक तंत्र द्वारा जनता की गाढ़ी कमाई से खड़े किए गए जनउपयोगी ढांचों को बुलडोजर से रौंदा जा रहा है। सवाल यह उठता है कि आखिर इस अंधेरगर्दी के पीछे असली साजिश किसकी है। श्रद्धालुओं के लिए बने शौचालयों पर चला बुलडोजर, जल्दबाजी क्यों



तरह नेस्तनाबूद करने से स्पष्ट राजकोषीय हानि हुई है, लेकिन इसका जवाब देने वाला कोई नहीं है। विकास का कौन सा मॉडल या रसूखदारों को बचाने का खेल मंदिर मंडल की इस तोड़फोड़ नीति के पीछे आखिर कौन सी कार्ययोजना है, इसकी कोई भी रूपरेखा, स्वीकृति या अनुमानित लागत जनता के सामने सार्वजनिक नहीं की गई है। क्या यह किसी विकास का हिस्सा है या फिर इसके पीछे कोई गहरा षड़यंत्र है स्थानीय चर्चाओं के अनुसार, जिस क्षेत्र में इन शौचालयों को तोड़ा गया है, उसी के आसपास नाले पर बने निजी होटलों



और अवैध निर्माणों पर प्रशासन की आंखें पूरी तरह बंद हैं। रसूखदारों के अवैध निर्माणों को बचाने के लिए यदि जनता और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बलि चढ़ाया जा रहा है, तो यह प्रशासनिक तंत्र की निष्पक्षता पर एक बहुत बड़ा कलंक है लूट और संरक्षण की राजनीति में पिसती जनता मंडफिया में चाहे तालाबों का अस्तित्व मिटाना हो, बरसाती नालों की दिशा बदलकर चहेतों को फायदा पहुंचाना हो, या फिर मंदिर मंडल की संपत्तियों और शौचालयों को जमींदोज करना हो—यह सब इस बात का प्रमाण है कि सत्ता में चाहे कोई

जनगणना-2027 में कोई परिवार नहीं रहेगा छूटने से, बेघर लोगों की भी होगी गणना

800 से 850 की आबादी पर तैनात होगा एक प्रगणक, डिजिटल ऐप से जुटेंगे आंकड़े; ब्लॉकों के मिलान पर रहेगा विशेष जोर

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर । भारत की जनगणना-2027 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। जनगणना के दूसरे चरण में बेघर परिवारों को भी शामिल किया जाएगा, ताकि कोई भी परिवार या क्षेत्र गणना से वंचित नहीं रहे। सामान्यतः 800 से 850 की आबादी पर एक प्रगणक नियुक्त किया जाएगा। गणना में शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने के लिए पुराने और नए गणना ब्लॉकों का मिलान किया जाएगा। शुक्रवार को आईटीआई संस्थान में शुरू हुए दो दिवसीय प्रशिक्षण में नियमित एवं तकनीकी सहायकों को गणना प्रक्रिया और तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। उपजिला जनगणना अधिकारी एवं आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की उपनिदेशक शबनम खोरवाल की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण में जिला, नगरीय और ग्रामीण चार्जों के 14 नियमित सहायकों तथा 14 तकनीकी सहायकों ने भाग लिया। निदेशालय की ओर से वाई.पी. वर्मा और चंदन सिंह प्रशिक्षण दे रहे हैं।

मोबाइल ऐप से होगी जनसंख्या गणना

प्रशिक्षण के दौरान वाई.पी. वर्मा ने बताया कि जनगणना का कार्य प्रगणकों और सुपरवाइजर्स द्वारा पीई मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए एंड्रॉयड-13 या उससे ऊपर के वर्जन तथा 8 जीबी रैम वाले मोबाइल की आवश्यकता होगी। बड़े गणना ब्लॉकों में जरूरत के



कड़ी बनेगी। इसके आधार पर प्रत्येक गणना ब्लॉक में परिवारों को क्रम संख्या आवंटित की जाएगी, जो आगामी सर्वेक्षणों में भी उपयोगी होगी। प्रशिक्षणार्थियों को प्रगणकों एवं सुपरवाइजर्स की तकनीकी समस्याओं का समाधान करने और गणना ब्लॉकों का सही मिलान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि गणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए, ताकि कोई परिवार छूटने न पाए।

सटीक आंकड़ों से बनेगी योजनाओं की रूपरेखा

प्रशिक्षणार्थियों में बताया गया कि जनगणना-2027 डिजिटल माध्यम से संपन्न होगी। इसके तहत जनसंख्या संबंधी आंकड़ों का व्यवस्थित संकलन और सुरक्षित संचयन किया जाएगा। इन आंकड़ों के आधार पर सरकारी योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने सभी प्रशिक्षणार्थियों से आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा करने का आह्वान किया। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यकता के दौरान जनगणना के दौरान आने वाली तकनीकी और अन्य समस्याओं का जिला स्तर पर समय-समय पर समाधान किया जाएगा।

फिटनेस का जुनून, शिक्षा का संकल्प: कल दौड़ेगा कोटा

यंगथॉन 3.0 में हाड़ौती के 4500 से अधिक प्रतिभागी लेंगे हिस्सा, 10 किमी टाइम्ड रन और 5 किमी फन रन-वॉक होगी...

यंगथॉन 3.0 में 4500 से अधिक प्रतिभागी दौड़ेंगे, आज एक्सपोजे का आयोजन....

सेहत की दौड़, शिक्षा का सरोकार

स्मार्ट हलचल

कोटा। फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यंगथॉन 3.0 का आयोजन 25 अक्टूबर को किया जाएगा। 'रन फॉर एजुकेशन' थीम पर होने वाले इस आयोजन में हाड़ौती संभाग से 4500 से अधिक प्रतिभागी पंजीकरण करा चुके हैं। यंग इंडियंस कोटा चेंटर और रियल टैपल्स ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित यह दौड़ स्वास्थ्य के प्रति सजगता के साथ शिक्षा के लिए सामूहिक सहभागिता का संदेश देगी। दौड़ से जुटने वाले सहयोग के माध्यम से चयनित राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के बैठने के लिए स्कूल बेंच की सुविधा उपलब्ध कराने में मदद की जाएगी। यंग इंडियंस कोटा चेंटर के चेयर अफिकट राठी और को-चेयर अफिकट गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम की तैयारियां पूरी की जा रही हैं। दौड़ से पहले 24 अक्टूबर को श्री उम्मेद क्लब, नयापुरा में एक्सपोजे आयोजित होगा।

श्री उम्मेद क्लब के सचिव लोकेंद्र राजावत ने बताया कि

इसमें प्रतिभागियों को टी-शर्ट, बिब और किट बेल वितरित किए जाएंगे। एक्सपोजे में कुछ प्रतिभागियों के लिए मौके पर



पंजीकरण की सुविधा भी रहेगी। साथ ही यंगथॉन से जुड़ी गतिविधियों और आयोजन की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। विश्व कलाकार दिवस के अवसर पर लाइव डीजे, बैड, ओपन माइक्र और जैमिंग सेशन जैसी गतिविधियां भी होंगी।

दो श्रेणियों में होगी दौड़

यंगथॉन में 10 किलोमीटर की टाइम्ड रन और 5 किलोमीटर की फन रन/वॉक आयोजित की जाएगी। प्रतिभागियों को सुबह 5:30 बजे श्री उम्मेद क्लब में एकत्रित होना होगा। जुम्मा गतिविधि के बाद 10 किलोमीटर की दौड़ सुबह 6.15 बजे शुरू होगी, जबकि 5 किलोमीटर की फन

रन/वॉक सुबह 6:30 बजे खाना होगी। 10 किलोमीटर की दौड़ में महिला और पुरुष प्रतिभागियों के लिए पांच आयु वर्ग निर्धारित किए गए हैं।

यह रहेगा दौड़ का मार्ग

दौड़ श्री उम्मेद क्लब, नयापुरा से शुरू होकर अग्रसेन चौराहा, लक्की बुर्ज, गीता भवन और ज्वाला तोप चौराहा होते हुए सेवन बंडर्स पार्क के सामने से किशोरपुरा तालाब तक पहुंचेगी। इसके बाद प्रतिभागी निर्धारित मार्ग से वापस श्री उम्मेद क्लब लौटेंगे। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए दो एम्बुलेंस तथा फिजियोथेरेपिस्ट की व्यवस्था

की गई है।

तीन घंटे प्रभावित रहेगा यातायात

यंगथॉन के चलते 25 अक्टूबर को सुबह 6 से 9 बजे तक निर्धारित मार्ग पर बैरिकेडिंग रहेगी। इस दौरान कोटडी सर्किट से जेडीबी कॉलेज, अग्रसेन चौराहा और जयपुर गोल्लन अस्पताल रोड की ओर आने-जाने वाले वाहन चालकों को यातायात संबंधी बदलावों का सामना करना पड़ सकता है। वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे इस अवधि में निर्धारित मार्ग की स्थिति का ध्यान रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं और वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करें।

भाजपा ने चित्तौड़गढ़ जिला परिषद के 35 वार्डों के प्रत्याशियों की सूची जारी की

आरक्षण श्रेणी के अनुसार उम्मीदवार घोषित

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। पंचायती राज चुनाव 2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने चित्तौड़गढ़ जिला परिषद सदस्य पद के प्रत्याशियों की सूची जारी की है। भाजपा की ओर से जारी सूची में जिला परिषद के 35 वार्डों के प्रत्याशियों के नाम और आरक्षण श्रेणी घोषित की गई है। 23 अक्टूबर 2026 दिनांकित सूची में वार्ड 1 से वार्ड 35 तक उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। सूची में सामान्य, सामान्य महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग सहित विभिन्न आरक्षण श्रेणियों के वार्डों के प्रत्याशी घोषित किए गए हैं।

भाजपा चित्तौड़गढ़ जिला परिषद प्रत्याशियों की वार्डवार सूची

वार्ड 1 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 2 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 3 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 4 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 5 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 6 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 7 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 8 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 9 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 10 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 11 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 12 आरक्षण: सामान्य महिला

वार्ड 13 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 14 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 15 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 16 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 17 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 18 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 19 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 20 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 21 आरक्षण: सामान्य महिला

वार्ड 22 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 23 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 24 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 25 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 26 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 27 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 28 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 29 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 30 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 31 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 32 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 33 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 34 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 35 आरक्षण: एस.टी. महिला

स्मार्ट हलचल

वार्ड 12 आरक्षण: सामान्य महिला

वार्ड 13 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 14 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 15 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 16 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 17 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 18 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 19 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 20 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 21 आरक्षण: सामान्य महिला

वार्ड 22 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 23 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 24 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 25 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 26 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 27 आरक्षण: एस.सी. महिला

वार्ड 28 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 29 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 30 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 31 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 32 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 33 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 34 आरक्षण: एस.टी. महिला

वार्ड 35 आरक्षण: एस.टी. महिला

पत्नी जेनेलिया और बच्चों के साथ ख्वाजा के दर पर पहुंचे बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख, मांगी दुआएं

स्मार्ट हलचल

अजमेर/ बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख शुक्रवार को अपनी पत्नी जेनेलिया देशमुख और बच्चों के साथ विश्व प्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पहुंचे। यहां उन्होंने ख्वाजा साहब की मजार पर जियारत कर अकीदत के फूल पेश किए और परिवार की खुशहाली के साथ जीवन में कामयाबी के लिए दुआ मांगी। अभिनेता के दरगाह पहुंचने की सूचना मिलते ही उनके प्रशंसकों में उत्साह छा गया। अपने पसंदीदा सितारे की एक झलक पाने और उनके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। रितेश देशमुख और उनका परिवार पुलिस सुरक्षा के बीच दरगाह पहुंचा। यहां खादिमों की ओर से उन्हें जियारत करवाई गई। जियारत के बाद अभिनेता की दस्तारबंदी की गई और उन्हें तबर्क भेंट किया गया। इस दौरान उन्होंने ख्वाजा साहब के दरबार में हाजिरी लगाकर दुआ मांगी। इसके बाद रितेश देशमुख अपने परिवार के साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दरगाह से रवाना हो गए।

पसंदीदा सितारे को देखकर प्रशंसकों में उत्साह

रितेश देशमुख को दरगाह में अपने बीच देखकर प्रशंसक खासे उत्साहित नजर आए। कई लोग अभिनेता के साथ सेल्फी लेने और तस्वीरें खिंचवाने के लिए प्रयास करते दिखाई



दिए। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए अभिनेता और उनके परिवार की आवाजाही नियंत्रित रखी गई। पुलिस की मौजूदगी में पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के इंतजाम किए गए।

बॉलीवुड में कामयाबी और परिवार की खुशहाली के लिए मांगी दुआ

दरगाह में जियारत के दौरान रितेश देशमुख और उनकी पत्नी जेनेलिया देशमुख ने बॉलीवुड में कामयाबी, आगामी फिल्मों और अन्य परियोजनाओं की सफलता तथा परिवार की खुशहाली के लिए दुआ मांगी। इसके साथ ही उन्होंने देश में अमन-चैन, शांति और आपसी भाईचारा कायम रहने की कामना भी की। ख्वाजा साहब की दरगाह देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां हर धर्म और समुदाय के लोग अपनी मन्नतें लेकर पहुंचते हैं।

सितारों की आस्था का केंद्र है ख्वाजा साहब का दरबार

अजमेर स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में देश-विदेश से जायरीन के पहुंचने का सिलसिला वर्षभर जारी रहता है। बॉलीवुड सहित विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां भी यहां हाजिरी लगाकर अपनी अकीदत जाहिर करती रही हैं। फिल्मी सितारों के दरगाह पहुंचने पर उनके प्रशंसकों में विशेष उत्साह देखने को मिलता है। रितेश देशमुख की इस यात्रा के दौरान भी यही नजारा देखने को मिला, जब अभिनेता की एक झलक पाने के लिए लोग उत्सुक नजर आए।

सरकारी बैंक के भीतर मौत! लोन डिपार्टमेंट में फंदे पर लटका मिला भीलवाड़ा का कर्मचारी

सुबह बैंक पहुंचते ही अंदर से लॉक किया गेट, दूसरे कर्मचारी पहुंचे तो काफी देर तक खटखटाते रहे दरवाजा; दूसरी चाबी से खोला गेट तो सामने आया खौफनाक मंजर, CCTV फुटेज भी आया सामने



स्मार्ट हलचल

देवली (टोंक) राजस्थान के टोंक जिले के देवली में शुक्रवार सुबह केनरा बैंक के भीतर उस वक्त सनसनी फैल गई, जब बैंक का एक कर्मचारी फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर क्षेत्र के जालमपुरा निवासी धनराज मीणा (36) के रूप में हुई है। घटना बैंक के लोन डिपार्टमेंट में हुई। कर्मचारी की मौत की खबर फैलते ही बैंक परिसर में हड़कंप मच गया। घटना से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

सुबह बैंक पहुंचा, फिर अंदर से लॉक कर लिया गेट जानकारी के अनुसार, धनराज शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे बैंक पहुंचा था। बैंक मैनेजर एनके मीणा के मुताबिक, उसने मुख्य गेट अंदर से बंद कर लिया। करीब 9:30 बजे जब बैंक के अन्य कर्मचारी पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। कर्मचारियों ने काफी देर तक गेट खटखटाया और आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद दूसरी चाबी से गेट खोला गया। कर्मचारी अंदर पहुंचे तो लोन डिपार्टमेंट में धनराज फंदे पर

लटका मिला। यह दृश्य देखकर बैंककर्मियों के होश उड़ गए। कर्मचारियों ने उसे फंदे से नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन फंदा कसने के कारण उन्हें परेशानी हुई। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। लोन डिपार्टमेंट में टेबल पर चढ़कर लगाया फंदा देवली धाना प्रभारी प्रीति रत्नू के अनुसार, धनराज बैंक पहुंचने के बाद सीधे पहली मंजिल पर स्थित लोन डिपार्टमेंट में गया था। वहां उसने एक टेबल से फाइलें और अन्य सामान हटाया। इसके बाद टेबल पर चढ़कर

पंखे से रस्सी बांधी और फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार, घटना के समय बैंक का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जांच शुरू की। भीलवाड़ा के जालमपुरा का रहने वाला था कर्मचारी धनराज मीणा मूल रूप से भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर क्षेत्र के जालमपुरा गांव का निवासी था। दूसरे जिले में बैंक के भीतर हुई इस घटना की खबर से उसके गृह क्षेत्र में भी शोक की स्थिति बन गई। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं

बैंक कर्मचारी ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस घटनास्थल के हालात और उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच कर रही है। आत्महत्या के पीछे किसी तरह का दबाव, परेशानी या अन्य कारण था या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। नोट: खबर में मौत के कारण को लेकर कोई अपुष्ट दावा नहीं किया गया है। यदि पोस्टमार्टम, पुलिस जांच या परिजनों के बयान से कोई नई जानकारी सामने आती है, तो उसके आधार पर खबर को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

दिनदहाड़े घर में घुसे चोर, पीतल के बर्तन समेत गृहस्थी का सामान पार

बारिश में गिरी दीवार के रास्ते घर में दाखिल हुए चोर, घटना के समय बाजार गए थे दंपती

स्मार्ट हलचल

खखरेरू/फतेहपुर धाना क्षेत्र के कठरिया गांव में बृहस्पतिवार दोपहर दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आई। बारिश के कारण गिरी दीवार के रास्ते घर में घुसे अज्ञात चोर पीतल के बर्तन और पंखे की मोटर समेत गृहस्थी का सामान चोरी कर ले गए। पोंडित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। गांव निवासी सचिन कुमार पुत्र दिनेश चंद्र पांडेय ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12:30 बजे अज्ञात चोर घर की पिछली तरफ बारिश से गिरी दीवार के रास्ते अंदर दाखिल हुए। चोर घर में रखी पीतल की तीन कसहड़ी, तीन पीतल की परात, पीतल के गिलास और एक लोटा समेत पास में रखी पंखे की मोटर उठा ले गए। पोंडित के अनुसार, घटना के समय उनके पिता दिनेश चंद्र अपनी पत्नी के साथ खरीदारी करने पौली बाजार गए हुए थे। घर में छोटे बच्चे मौजूद थे, जो आगे बैठकर टीवी देख रहे थे। तेज बारिश के कारण घर का पिछला हिस्सा गिर गया था। इसी का फायदा उठाकर चोर घर में घुसे और सामान लेकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई चोरी की घटना से ग्रामीणों में चिंता है। पोंडित ने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में क्राइम इंस्पेक्टर श्यामसुंदर गिरी ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सऊदी से उमराह तीर्थयात्रियों की वतन वापसी:भारतीय मिशनों ने दिखाई मुस्तैदी

स्मार्ट हलचल

नई दिल्ली। सऊदी अरब में फंसे भारतीय उमराह तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकालने और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान करने में भारतीय विदेश मंत्रालय और वहां स्थित भारतीय मिशन पूरी सक्रियता से जुटे हैं। स्थिर स्थित भारतीय दूतावास और जेदा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के चौबीसों घंटे जारी समन्वय के चलते पिछले एक साप्ताह के भीतर 3,000 फंसे हुए उमराह तीर्थयात्री उपलब्ध उड़ानों के माध्यम से सुरक्षित भारत लौट आए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा भारतीय मिशन प्रभाषित तीर्थयात्रियों की जल्द वापसी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एयरलाइंस और दूर अपरेटर्स के साथ लगातार संपर्क में हैं। पिछले एक हफ्ते में, सऊदी अरब में फंसे लगभग 3,000 उमराह तीर्थयात्री उपलब्ध उड़ानों के जरिए भारत लौट आए हैं। इसके अलावा, 10,000 से अधिक अन्य उमराह तीर्थयात्री भी, जिनकी पहले से बुकिंग थी, पिछले एक हफ्ते में भारत



वापस आ चुके हैं। बाकी उमराह तीर्थयात्रियों की जल्द से जल्द वापसी के लिए भी इंतजाम किए जा रहे हैं। जायसवाल ने कहा हमारा दूतावास और महावाणिज्य दूतावास, समुदायिक स्वयंसेवकों की मदद से हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। भारतीय नागरिकों की मदद के लिए चौबीसों घंटे काम करने वाले कंट्रोल रूम बनाए गए हैं और समय-समय पर जेडरी एडवाइजरी भी जारी की जा रही है। इस चुनौतीपूर्ण समय में विदेश मंत्रालय और सऊदी स्थित राजनयिक मिशनों ने न केवल अपनी प्रशासनिक

मुस्तैदी का परिचय दिया है, बल्कि प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को भी साबित किया है। प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच रियाद और जेदा के मिशनों ने जिस संवेदनशीलता और तत्परता के साथ जमीनी स्तर पर राहत पहुंचाई, वह अत्यंत सराहनीय है। संकट में विरे अपने नागरिकों के लिए रक्षा कवच बनकर उभरे इन मिशनों के अथक प्रयासों और कुशल कूटनीति के कारण ही सैकड़ों भारतीय आज सुरक्षित अपने वतन और परिवारों के बीच लौट पा रहे हैं।

ढूंढाड़ रिसर्च सेंटर जल्द होगा शुरू:द्वानाभ सिंह

जयपुर के 300 साल पूरे होने पर दो साल तक होगा जयपुर; राजपरिवार की भूडुलियायां भी देख सकेंगे जयपुर। जयपुर अपनी स्थापना के 300 साल पूरे करने जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर को यादगार बनाने के लिए जयपुर के पूर्व राजपरिवार की ओर से दो साल तक कई आयोजन किए जाएंगे। इसके साथ ही जयपुर और ढूंढाड़ के इतिहास, कला, स्थापत्य और संस्कृति पर गहन अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए ढूंढाड़ रिसर्च सेंटर की शुरुआत की जाएगी। जयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य सवाई पद्मनाभ सिंह ने



सिटी पैलेस में बताया कि 18 नवंबर 2026 से 18 नवंबर 2027 तक जयपुर के 300 साल पूरे होने के उत्सव को विशेष रूप से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जयपुर की स्थापना और इसके विकास की यात्रा को याद करने के साथ ही यह सोचने की जरूरत है कि आने वाले 300 सालों में शहर की पहचान और विरासत को किस

तरह आगे बढ़ाया जाए। इस उत्सव का उद्देश्य इसी दिशा में एक मजबूत आधार तैयार करना है। सवाई जय सिंह और जयपुर की विरासत को याद करने का प्रयास सवाई पद्मनाभ सिंह ने कहा कि जयपुर का 300वां स्थापना वर्ष राजपरिवार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसे केवल एक साल के आयोजन तक सीमित रखने के बजाय दो साल तक उत्सव के रूप में मनाने की योजना है। इसमें आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ साहित्य, प्रकाशन और शोध से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अरुणाचल प्रदेश के गृह मंत्री मामा नटुंग का उदयपुर एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से स्वागत, माउंट आबू में वैश्विक शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल

23 से 25 अक्टूबर तक शांतिवन परिसर में होगा आयोजन, ब्रह्माकुमारीज के 90 वर्षों के आध्यात्मिक नेतृत्व, सेवा और परिवर्तन की यात्रा पर होगा मंथन...

स्मार्ट हलचल

उदयपुर/माउंट आबू। अरुणाचल प्रदेश के गृह मंत्री मामा नटुंग का राजस्थान आगमन पर उदयपुर हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वे 23 से 25 अक्टूबर 2026 तक ब्रह्माकुमारीज के विश्व मुख्यालय शांतिवन परिसर, माउंट आबू रोड में आयोजित होने वाले वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे हैं। सम्मेलन का विषय 'विश्व नवीकरण के लिए आध्यात्मिक जागृति' रखा गया है। यह आयोजन ब्रह्माकुमारीज के 90 वर्षों के आध्यात्मिक नेतृत्व, सेवा, साधना और सामाजिक परिवर्तन की यात्रा को समर्पित है। मंत्री मामा नटुंग के राजस्थान आगमन को लेकर स्वागत किया गया। माउंट आबू स्थित शांतिवन परिसर में आयोजित इस वैश्विक सम्मेलन में आध्यात्मिक जागृति, मानवीय मूल्यों, विश्व शांति और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।



आध्यात्मिक जागृति से विश्व नवीकरण पर होगा मंथन सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य आध्यात्मिक चेतना के माध्यम से व्यक्ति, समाज और विश्व में सकारात्मक बदलाव की संभावनाओं पर चर्चा करना है। वर्तमान समय में बढ़ती सामाजिक चुनौतियों, तनाव, आपसी मतभेद और नैतिक मूल्यों की आवश्यकता के बीच आध्यात्मिकता की भूमिका को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सम्मेलन में शांति, सद्भाव, आत्मिक सशक्तीकरण और मानवीय दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के विषय पर विचार रखे जाएंगे। ब्रह्माकुमारीज के 90 वर्षों की सेवा यात्रा पर विशेष फोकस यह वैश्विक शिखर सम्मेलन ब्रह्माकुमारीज की 90 वर्षों की आध्यात्मिक यात्रा की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान आध्यात्मिक नेतृत्व, सामाजिक सेवा

और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन के लिए किए गए प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया जाएगा। आध्यात्मिक मूल्यों को दैनिक जीवन में अपनाने और समाज में सहयोग, करुणा तथा सद्भाव की भावना विकसित करने पर भी जोर रहेगा। वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक संवाद का मंच माउंट आबू स्थित शांतिवन परिसर ब्रह्माकुमारीज के प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों में शामिल है। यहां आयोजित यह सम्मेलन आध्यात्मिक चिंतन और वैश्विक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में संवाद का अवसर प्रदान करेगा। सम्मेलन की विषयवस्तु के अनुरूप विश्व नवीकरण के लिए आध्यात्मिक जागृति, व्यक्तिगत जीवन में मूल्यों की भूमिका और समाज में शांति की स्थापना जैसे मुद्दे केंद्र में रहेंगे। अरुणाचल प्रदेश के गृह मंत्री मामा नटुंग की इस सम्मेलन में सहभागिता के अवसर पर राजस्थान में उनका स्वागत किया गया। तीन दिवसीय आयोजन 25 अक्टूबर तक चलेगा।

वृंदावन रास और फूलों की होली की धूम, भक्ति रस में डूबा प्रताप स्टेडियम

स्मार्ट हलचल

निवाई/ भरत देवड़वाल। नगरपालिका मंडल, निवाई के तत्वावधान में प्रताप स्टेडियम में चल रही रामलीला महोत्सव में गुरुवार रात्रि को वृंदावन रास और फूलों की होली का अलौकिक मंचन किया गया। आर्यवीर कलाकार रंगमंच संस्थान के कलाकारों की प्रस्तुति देखने शहर सहित ग्रामीण अंचल से हजारों श्रद्धालु उमड़ पड़े। कार्यक्रम का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष नरेंद्र जयसिंहपुरा, भाजपा चुनाव प्रभारी नीरज शर्मा, शहर अध्यक्ष नितिन छावड़ा एवं पार्षदों द्वारा भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की महाआरती व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। रंगमंच संस्थान के पवन शर्मा ने बताया कि कलाकारों ने महारास के माध्यम से राधा-कृष्ण के अलौकिक प्रेम और ब्रज की पारंपरिक होली को जीवंत कर दिया। 'होरी खेल रहे नंदलाल, आज बिज में होरी रे रसिया, फाग खेलन आए हैं बनवारी' जैसे भजनों पर पूरा स्टेडियम झूम उठा। ढोलक-झांझ की थाप और राधे-



राधे के जयकारों से परिसर गुंजायमान हो गया। मुख्य आकर्षण के रूप में राधा-कृष्ण के स्वरूपों पर गुलाब, गेंदा और मोगरे के फूलों की वर्षा की गई, जिससे पांडाल सुगंधित हो उठा। महिला-पुरुष, बुजुर्ग और बच्चों ने जमकर फूलों की होली खेली। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को नगरपालिका अध्यक्ष द्वारा श्री गणेश प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। अगले कार्यक्रम: नगरपालिका अध्यक्ष जयसिंहपुरा ने बताया कि शनिवार को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें अनिल चौबे, शशिकांत यादव, गौरव चौहान, सोनल जैन, सोनरूपा विशाल सहित देश के ख्यातनाम कवि शिरकत करेंगे। वहीं 25 अक्टूबर को महोत्सव के समापन पर इंडिया लाफ्टर फेम कलाकारों द्वारा भव्य गीत-संगीत संध्या एवं उज्जैन के मलखम ग्रुप द्वारा हास्य-मिमिक्री कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर पार्षद नितिन छावड़ा, रमाकांत शर्मा, अजय पारीक, गिरांज जाट सहित बड़ी संख्या में पार्षद एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

शंभूपुरा कस्बे में रोडवेज बसों की बेरुखी, बाईपास पर उतारने से यात्रियों में आक्रोश

ओम जैन/स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। शंभूपुरा कस्बे में राजस्थान रोडवेज बसों के कस्बे के अंदर नहीं आने से आमजन, ग्रामीणों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि चित्तौड़गढ़-निम्बाहेड़ा मार्ग पर चलने वाली अधिकांश रोडवेज बसें शंभूपुरा में अंदर आने की बजाय बाहर बाईपास पर ही सवारी उतार कर चली जाती हैं। इससे दिन में तो परेशानी होती ही है, रात के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। रात में महिलाओं और बच्चों को होती है सबसे ज्यादा परेशानी रात 8 बजे के बाद बाईपास पर उतरने वाले यात्रियों, खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को 1 से 2 किलोमीटर पैदल चलकर कस्बे में आना पड़ता है। बाईपास पर न तो लाइट की व्यवस्था है और न ही ऑटो-टैम्पो की। इससे सुरक्षा को लेकर भी ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों की मांग - बसें अंदर होकर जाएं कस्बेवासियों ने बताया कि शंभूपुरा एक बड़ा कस्बा है और यहाँ से सैकड़ों लोग रोजाना चित्तौड़गढ़, निम्बाहेड़ा, नीमच और भीलवाड़ा की यात्रा करते हैं। इसके बावजूद रोडवेज प्रबंधन ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और रोडवेज आगार प्रबंधक से मांग की है कि सभी रोडवेज बसों को अतिनायक रूप से शंभूपुरा कस्बे के अंदर से होकर निकाला जाए और बाईपास पर उतारने की मनमानी बंद की जाए। स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि हम कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। रात को लेडीज को बाईपास पर उतार देते हैं, वहीं अंधेरा रहता है, डर लगता रहता है। प्रशासन को तुरंत ध्यान देना चाहिए। यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। इन्होंने यह कहा चित्तौड़गढ़ रोडवेज के मुख्य प्रबंधक राकेश सारस्वत ने कहा कि बसें शंभूपुरा कस्बे के अंदर नहीं निकल रही और यात्रियों को परेशानी हो इसकी अभी तक जानकारी नहीं थी, अब हुई है तो सभी को निर्देशित कर जल्द समाधान किया जाएगा।

बहू के मायके की पंचायत में दहेज की मांग और गालियों से आहत सास आत्म हत्या मामले में जांच शुरू

स्मार्ट हलचल

कानपुर। दहेज के खिलाफ महिलाओं के लिए इतने कानून बनाने के बाद भी उनका उत्पीड़न और शोषण बंद नहीं हो रहा है। ऐसी एक घटना में मायके में हुई भारी पंचायत में दहेज की मांग की लेकर गालियों से आहत सास ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल घटना में पुलिस ने मामले की जान शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार जांच में निकले निष्कर्ष के अनुसार ही अगली कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। दहेज की मांग से संबंधित दिल दहला देने वाली यह घटना नरवल धाना क्षेत्र के पाली गांव में हुई। जहां बहू के मायके में हुई पंचायत में ससुराल पक्ष से 25 लाख रुपये की मांग और गाली-गलौज से नाराज सास ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पोंडित पति अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि बेटे का विवाह एक वर्ष पहले जामू धाना विधनू निवासी मुस्कान सिंह पुत्री रामराज सिंह के साथ हुआ था। शादी के बाद से ही पारिवारिक कलह चल रही थी और तलाक को लेकर विवाद होता रहा। 11 अगस्त को मुस्कान अपने मायके चली गई थी। पुलिस के अनुसार बीते चार दिन पूर्व मुस्कान के परिजनों ने जामू गांव में पंचायत बुलाई थी। आरोप है कि पंचायत में ससुराल पक्ष से 25 लाख रुपये की मांग की गई और धमकी दी गई कि रकम नहीं देने पर दहेज प्रथा और यौन उत्पीड़न के झूठे मुकदमे में पूरे परिवार को फंसा दिया जाएगा। भरी पंचायत में भेदी-भेदी गालियां भी दी गईं। इससे परेशान होकर अचंना देवी कई दिनों से परेशान थी, क्योंकि बृहस्पतिवार को जामू गांव से एक व्यक्ति फिर संदेश लेकर आया कि पैसे की व्यवस्था करे नहीं, तो वह लोग थाने जाकर मुकदमा दर्ज करवाएंगे। इससे डरकर महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जानकारी देते हुए पोंडित पति अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि बहू पहले ही जेवर और 70 हजार रुपये का आईफोन लेकर मायके चली गई थी। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच की जा रही है।



डॉ. हरिराम रोहिल्ला बने श्री विट्ठल नामदेव समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

सादुलपुर :-। श्री विट्ठल सदाय कृद समाज महासभा (पंजीकरण संख्या 04/10/01/2163/20) द्वारा रोहिला नरिंश होम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, राजगढ़ के निदेशक डॉ. हरिराम रोहिल्ला को संगठन के 'राष्ट्रीय उपाध्यक्ष' पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति महासभा के संस्थापक एवं प्रमुख संरक्षक योगाचार्य के.एल. नामदेव तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिश वर्मा द्वारा प्रदान शक्तियों के तहत की गई है। डॉ. हरिराम रोहिल्ला विगत कई वर्षों से चिकित्सा, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, धार्मिक एवं विभिन्न सामाजिक सेवा गतिविधियों में समर्पित भाव से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनके उक्तियुक्त सामाजिक योगदान और दूरगामी दृष्टिकोण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर संगठन के शीर्ष नेतृत्व एवं पदाधिकारियों ने डॉ. रोहिल्ला को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि वे भविष्य में भी समाज हित और मानव सेवा के इन पुनीत कार्यों को इसी निरंतरता व ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाते रहेंगे। उनकी इस नियुक्ति से समाजसेवुओं एवं स्थानीय निवासियों में हर्ष की लहर है।





रेडवुड सिटी । दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी भारत की अनाहत सिंह ने मिश्र की छठी सीड सलमा हैनी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वैश के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने पहली बार अपने पीएसए गोल्ड-लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई है। दुनिया की नंबर 3 और आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन मिश्र की नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराने के एक

दिन बाद, 18 साल की भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर 14 हैनी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया। अनाहत मुकाबले में 2-1 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 11-2, 11-5 से जीत हासिल की और अपने करियर में पहली बार गोल्ड सेमीफाइनल में जगह बनाई।

2-1 से पीछे होने के बाद वापसी करते

सिलिकॉन वैली स्क्वैश

अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

हुए जीत हासिल करने के बाद अनाहत ने हैनी के बारे में कहा, 'मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला था। मुझे नहीं पता था कि कोर्ट पर आकर क्या करना है। मैंने उन्हें कई बार खेलेते हुए देखा है। वह पीएसए टूर में बहुत अनुभवी हैं।'

अनाहत ने कहा, 'एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद, मुझे पता है कि अगर मैं अच्छा खेल रही हूँ तो मेरे पास जिससे भी खेलूंगी, उसके खिलाफ मौका है। मैं इसी सोच के साथ उतरना चाहती थी।' स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'गुरुवार की जीत के बाद इमोशन की वजह से मैं मैच में थोड़ी थकी हुई थी। मैं

आज मोमेंटम नहीं खोना चाहती थी, मैं अपना शत-प्रतिशत देना चाहती थी। टूर्नामेंट में एक कदम आगे बढ़कर मैं खुश हूँ।' अनाहत सिंह का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर चार और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। अनाहत को एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में शिवसांगरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

अनाहत का साल 2026 में सफर शानदार रहा है। इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीतने के बाद एशियन गेम्स स्क्वैश सिंगल्स फाइनल में जगह बनाई थी।

ऋद्धिमान साहा: तेज गेंदबाज के तौर पर शुरू हुआ था टीम इंडिया के बेहतरीन विकेटकीपर का सफर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व में बढ़ी। इसके बाद उन्होंने एक विकेटकीपर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा का करियर संघर्ष और सफलता का एक शानदार उदाहरण है। एक बेहतरीन विकेटकीपर के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले साहा ने अपने रोमांचक करियर की शुरुआत एक तेज गेंदबाज के रूप में की थी। ऋद्धिमान साहा का जन्म 24 अक्टूबर, 1984 को शक्तिगढ़, सितीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में हुआ था। बंगाल भारतीय क्रिकेट का गढ़ है और इसका असर साहा पर भी पड़ा। साहा ने क्रिकेट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का फैसला किया था। शुरुआती दिनों में साहा एक तेज गेंदबाज के रूप में खेला करते थे, लेकिन समय के साथ उनकी दिलचस्पी विकेटकीपिंग



बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत शुरू की। 2007 में बंगाल के लिए प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए में डेब्यू करने वाले साहा को अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इसकी वजह महेंद्र सिंह धोनी थे, जो भारतीय कप्तान होने के साथ ही तीनों फॉर्मेट में स्थापित विकेटकीपर बल्लेबाज थे।

2010 में भारतीय टीम के लिए टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करने वाले साहा की टेस्ट टीम में नियमित जगह दिसंबर 2014 में धोनी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद बनी।

एशियन पैरा गेम्स: बैडमिंटन, आर्चरी, जैवलिन में आए गोल्ड और सिल्वर से पदकों का शतक पूरा

पांचवें दिन की धमाकेदार शुरुआत

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम को दूसरे टी20 से पहले बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन चोट की वजह से दूसरे टी20 में नहीं खेलेंगे। ईशान किशन के दूसरे टी20 में नहीं



खेलने की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पेज के माध्यम से दी है। बीसीसीआई ने शुक्रवार की सुबह अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से लो-ग्रेड राइट एंडेक्टर स्ट्रेन की वजह से बाहर हो गए हैं। उन्हें सीरीज के पहले टी20 मैच के दौरान चोट लगी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान पर नजर रख रही है।' ईशान किशन का दूसरे टी20 से बाहर होना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 226 के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। ईशान बेशक पहले टी20 में बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे और 3 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हो गए थे। लेकिन वो जिस क्षमता के बल्लेबाज हैं, उस क्षमता की टीम इंडिया को इस सीरीज में जरूरत पड़ने वाली है। भारतीय टीम उम्मीद करेगी कि ईशान 27 अक्टूबर को खेले जाने वाले तीसरे टी20 से पहले फिट हो जाएं।

भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज सब्बीनेनी मेघना ने संन्यास लिया

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रही सब्बीनेनी मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। मेघना 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही थीं। मेघना ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'वर्ल्ड स्टेज पर जर्सी पहनने के लिए हाथ में बल्ला



लेकर पहली बार मैदान पर उतरना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। मैं एक खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करती हूँ। मेरा दिल शुक्रगुजार है। मैदान मेरा दूसरा घर रहा है, जिसने मुझे हिम्मत दी, विनम्रता सिखाई और ऐसी यादें और दोस्ती दी, जिन्हें मैं ज़िंदगी भर संभालकर रखूंगी।' उन्होंने लिखा, 'मेरे परिवार को, जो हर मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहे, आपके कभी न खत्म होने वाले त्याग के लिए धन्यवाद। मेरे कोच, टीममेट्स और सपोर्ट स्टाफ को, मुझे अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करने और मेरे साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के लिए धन्यवाद।'

नागोया । जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन पैरा गेम्स 2026 के पांचवें दिन (शुक्रवार) की शुरुआत भारतीय दल के लिए शानदार रही है। भारतीय एथलीटों ने दिन की शुरुआत ही गोल्ड और सिल्वर मेडल से की है। पैरा आर्चरी विमेंस रिकर्व डबल्स गोल्ड मेडल मैच में भारत की भावना और पूजा को चीन की जोड़ी से हारकर सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। चीन ने शुरू से आखिर तक मुकाबला अपने नाम किया और हर तीर पर 9.33 के हाई-कैलिबर एक्सेज के साथ सेट 38-31, 35-30 और 39-29 से अपने नाम किए, जबकि भारत का औसत 7.50 रहा। थुलसिमथी मुरुगेसन ने बैडमिंटन के एसयू5 महिला एकल में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें फाइनल में चीन की

किउक्सिया यांग से 18-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रमोद ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने 4:09.65 का समय निकालकर शानदार प्रदर्शन किया और सिल्वर मेडल जीता। प्रमोद ने हांगझोऊ पैरा एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीता था। हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने पैरा आर्चरी में रिकर्व टीम इवेंट में शानदार परफॉर्मंस के साथ 2026 एशियन पैरा गेम्स में गोल्ड जीता। पहला सेट 35-35 से बराबरी के बाद भारतीय जोड़ी ने अगले दो सेट 37-36 और 38-36 से जीते और चीन पर 5-1 की जीत के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया।



धर्मराज सोलैराज ने भारत को दिलाया एक और गोल्ड मेडल

लॉन्ग जंप में 7.15 मीटर की छलांग लगाकर बनाया नया रिकॉर्ड

नागोया। भारत के धर्मराज सोलैराज ने गुरुवार को जापान के आइची-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की लॉन्ग जंप (लंबी कूद) में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 7.15 मीटर की रिकॉर्ड-तोड़ छलांग लगाकर गोल्ड पर कब्जा जमाया। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में टी44/टी62/टी64 के संयुक्त फाइनल में हिस्सा लेते हुए तमिलनाडु के 32 वर्षीय एथलीट ने अपने दूसरे प्रयास में यह निर्णायक छलांग लगाई। इसके साथ ही उन्होंने एक नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया और इस महाद्वीपीय मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यह प्रदर्शन हांगझोऊ एशियन पैरा गेम्स 2023 में गोल्ड मेडल जीतने के बाद से सोलैराज के करियर में एक और अहम उपलब्धि है। इसके साथ ही उन्होंने 7.08 मीटर का अपना पिछला एशियाई रिकॉर्ड भी बेहतर कर



लिया, जो उन्होंने नई दिल्ली में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स 2025 चैंपियनशिप में बनाया था। सोलैराज ने प्रतियोगिता की शुरुआत 6.88 मीटर की छलांग के साथ की और दूसरे राउंड में 7.15 मीटर की दूरी तय की। इसके बाद उन्होंने 6.82 मीटर और 6.85 मीटर की छलांग लगाई, जबकि उनके आखिरी दो प्रयास फाउल रहे। हालांकि, उनकी शुरुआती रिकॉर्ड-तोड़ छलांग ही खिताब जीतने के लिए काफी थी। टी44 क्लासिफिकेशन में 6.34 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय करने वाले मलेशिया के एडी बर्नार्ड 740 रजा प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जापान के युमा तामाकी ने टी64 कैटेगरी में 6.89 मीटर की अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई और 726 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

श्रीलंका ने वनडे का दूसरा बड़ा लक्ष्य हासिल किया

इंग्लैंड को रोमांचक मैच में हराया; ब्रूक की पारी गई बेकार

रावलपिंडी । श्रीलंका ने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन की मदद से त्रिकोणीय सीरीज के मुकाबले में इंग्लैंड को दो विकेट से हराया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के दोहरे शतक की मदद से 50 ओवर में चार विकेट पर 429 रन बनाए। जवाब में पवन रत्नानायके, अविष्का फर्नांडो, दासुन शनाका और जनिथ लियानागे की दमदार पारी से श्रीलंका ने 49.5 ओवर में आठ विकेट पर 430 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। श्रीलंका ने इस तरह वनडे इतिहास का दूसरा बड़ा रन चेज किया।

श्रीलंका ने भारत को पीछे छोड़ा- श्रीलंका ने वनडे में सबसे बड़े रन चेज के मामले भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने इसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ



गुवाहाटी में खेले गए मुकाबले में 406 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था जो वनडे का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज था। लेकिन श्रीलंका ने इस मामले में भारत को पीछे छोड़ा और 50 ओवर के प्रारूप का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज कर लिया।

श्रीलंका की दमदार बल्लेबाजी

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने कामिंदु मेंडिस और कुसल मेंडिस के विकेट जल्द गंवा दिए। इसके बाद अविष्का फर्नांडो और रत्नानायके के बीच तीसरे विकेट के लिए 166 रनों की साझेदारी हुई। फर्नांडो हालांकि, शतक पूरा करने से चूक गए और 97 रन बनाकर आउट हुए। फिर रत्नानायके ने दासुन शनाका के साथ पारी आगे बढ़ाई और चौथे विकेट के लिए 133 रन जोड़े। इन दोनों साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

हैरी ब्रूक ने जड़ा वनडे इतिहास का सबसे तेज 'दोहरा शतक'

सिर्फ 114 गेंदों में रचा इतिहास



रावलपिंडी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ वनडे ट्राई-सीरीज के तीसरे मुकाबले में दोहरा शतक जड़ा। ब्रूक ने 200 रनों का आंकड़ा महज 114 गेंदों में छुआ, जिसके साथ वह वनडे फॉर्मेट में सबसे तेज 'दोहरा शतक' लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस पारी के साथ ब्रूक वनडे पारी में 200 रन बनाने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। स्लेन मैक्सवेल के बाद, ब्रूक वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो ओपनर नहीं हैं। वनडे क्रिकेट में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों में शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 117 गेंदों में ऐसा किया था।

'हम अपनी गलती जानते हैं': हैरी ब्रूक

नई दिल्ली । पाकिस्तान में खेली जा रही वनडे त्रिकोणीय सीरीज में गुरुवार को खेले गए एक हाईस्कोरिंग मैच में इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ एक बड़ी और ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि हमें अपनी गलती पता है। हार के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान हैरी ब्रूक ने कहा, 'यह एक शानदार क्रिकेट मैच था। मुझे लगा कि दोनों टीमों बहुत बढ़िया थीं। बदकिस्मती से, श्रीलंका ने हमें हरा दिया। हम गेंद से ठीक से खेल नहीं पाए और उनकी ताकत के हिसाब से थोड़ा खेले, और फिर उन्होंने 400 रन बनाकर जबरदस्त क्रिकेट खेला।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 20 साल में पहली बार यह एक जबरदस्त उपलब्धि है। अब हारने वाली टीम का कोई मतलब नहीं है। हमें ड्रॉइंग बॉर्ड पर वापस जाना होगा।